दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
खबरें सड़क से संसद तक

RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

वर्ष: 17 | अंक 147 | सीकर, सोमवार 27 जुलाई 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

पंडित सत्यनरेश दीक्षित के सान्निध्य में 29 को होगा भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 29 जुलाई 2026 को पंडित सत्यनरेश दीक्षित (गुरुजी) के सान्निध्य में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में श्रद्धालुओं को गुरु भक्ति, सत्संग और आध्यात्मिक ज्ञान का लाभ प्राप्त होगा। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे होगा तथा विभिन्न धार्मिक आयोजनों का क्रम सायं 7 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम में गुरु वंदन, सत्संग, भजन-कीर्तन एवं गुरु पूजन जैसे आध्यात्मिक आयोजन होंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति के अनुसार भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाते हैं, जीवन में सही मार्ग का दर्शन कराते हैं तथा संस्कार, शिक्षा और सद्गुणों का संचार करते हैं। गुरु के आशीर्वाद से ही जीवन में सफलता, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में परिवार सहित उपस्थित होकर गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा धर्म एवं संस्कृति से जुड़ने का आग्रह किया गया है।

कार्यक्रम विवरण

तिथि- 29 जुलाई 2026
समय- प्रात: 11 बजे से सायं 7 बजे तक
मुख्य आयोजन- गुरु वंदन, सत्संग, भजन-कीर्तन एवं गुरु पूजन
संपर्क- पंडित सत्यनरेश दीक्षित (गुरुजी) 9783897466, 7727997466
संपर्क सूत्र- मनोज जोशी - 8852996352

केटीएसएस के पूर्व संरक्षक इंदोरिया की मनाई द्वितीय पुण्यतिथि

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केटीएसएस कार्यालय में केटीएसएस के पूर्व संरक्षक स्व. रामस्वरूप इंदोरिया की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। केटीएसएस पदाधिकारियों ने स्व. इंदोरिया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजली दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केटीएसएस महासचिव बिरदूराम सैनी ने स्व. रामस्वरूप इंदोरिया की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इंदोरिया ने वर्ष 1967 से केसीसी प्रोजेक्ट में मजदूरों को संगठित कर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष शुरू किया था। लंबे आंदोलन के बाद 1972 में करीब 2800 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को स्थायी रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि स्व. इंदोरिया के नेतृत्व में मजदूरों के वेतन, भत्तों और अन्य सुविधाओं में लगातार सुधार हुआ। श्रमिक हितों की लड़ाई के दौरान उन्हें कई गंभीर मामलों का सामना करना पड़ा, न्यायालयों में संघर्ष करना पड़ा और कई बार जेल भी जाना पड़ा। सैनी ने बताया कि इंदोरिया 52 माह तक नौकरी से बाहर भी रहे लेकिन श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ना नहीं छोड़ा। इंदोरिया के बेटी सुधा ने बताया कि वे एक कुशल चित्रकार होने के साथ साहित्य और कविता में भी विशेष रुचि रखते थे तथा सामाजिक कार्यों में सदैव सक्रिय रहते थे। इस मौके पर खुशीराम यादव, कामरेड भजनलाल सैनी, सचिव ओमप्रकाश, विनय त्यागी, उम्मेद सिंह, ख्यालीराम रावत, सुधा शर्मा, आरती शर्मा सहित सैकड़ों श्रमिक एवं यूनियन कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी।

चानू ने दिलाया भारत को कॉमनवेल्थ गैम्स का पहला गोल्ड

नई दिल्ली

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस 48 किलो वेटलिफ्टिंग कॉम्पटीशन में 190 किलो (85 किलो स्नैच + 105 किलो क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड अपने नाम किया। भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 किलो में 264 किलो (121+143) वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता था। वहीं, शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज दिलाकर भारत को पहला मेडल दिलाया था।

भारत अब मेडल टैली में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 24 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

चानू लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं

टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। स्नैच में 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 105 किलो उठाकर उन्होंने मेडल जीता। यह उनका लगातार तीसरा गोल्ड था। इससे पहले 2018 और 2022 में भी मीराबाई ने गोल्ड जीता था।

कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड तोड़ा

चानू ने पहले प्रयास के लिए 82 किलोग्राम वजन दर्ज कराया। महिलाओं के 48 किलो ग्राम भार वर्ग के स्नैच राउंड में चानू ने दूसरे प्रयास में 82 और तीसरे प्रयास में 85 किला वजन उठाकर लगातार दो बार कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड तोड़ दिया। चानू ने क्लीन एंड जर्क राउंड में अपने पहले प्रयास के लिए 105 द्यद्द वजन चुना। वह अपने पहले प्रयास में 105 किलो वजन नहीं उठा पाईं। दूसरे प्रयास में उन्होंने यह वजन उठाया और इतिहास रचते हुए गोल?ड मेडल जीता।

कारगिल के अमर वीरों को मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

- अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र किया अर्पित
- शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को किया नमन

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति पहुंचकर पुष्पचक्र अर्पित किया तथा कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और त्याग को नमन करते हुए कहा कि कारगिल के वीरों का बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों ने विषम परिस्थितियों में अद्वितीय साहस और अदम्य वीरता का परिचय देकर मातृभूमि की रक्षा की तथा विश्व पटल पर भारत के शौर्य का परचम लहराया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र अपने वीर सैनिकों और शहीदों के सर्वोच्च बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा तथा राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के सम्मान एवं कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित सेना, पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान सभी ने दो मिनट का मौन रखकर कारगिल के अमर वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके अद्वितीय साहस और राष्ट्रभक्ति का स्मरण किया।

प्रवासी राजस्थानियों से सतत संवाद रखें स्थापित

शेखावाटी के प्रवासियों का विरासत से बढ़े जुड़ाव, आयोजित हो विशेष कार्यक्रम- मुख्यमंत्री शर्मा

- प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर आयोजित होंगे सेक्टोरल सत्र
- प्रवासियों की अधिकाधिक भागीदारी के लिए आयोजित होंगे रोड शो

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस विश्वभर में बसे राजस्थानियों और उनकी मातृभूमि के बीच और अधिक मजबूत संबंध स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से प्रवासियों को प्रदेश के विकास एवं निवेश में सहभागी बनने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री रविवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने आगामी 10 दिसंबर को प्रस्तावित इस आयोजन के सभी पहलुओं की समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि चैप्टर्स के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों से निरंतर एवं सक्रिय संवाद स्थापित करें। साथ ही, प्रवासी राजस्थानियों की सुविधा के आधार पर नए चैप्टर्स का शीघ्र संचालन भी सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर्स के माध्यम से भी प्रवासी राजस्थानियों से निरंतर समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि प्रवासियों का जुड़ाव और अधिक मजबूत हो सके।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर आयोजित होने वाले सेक्टोरल सत्रों के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभाग तैयारियां समय पर पूरी करें। उन्होंने इससे पहले विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले रोड शो के प्रभावी ढंग से आयोजन के लिए भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस उपलक्ष्य में शेखावाटी क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानियों के लिए विशेष कार्यक्रम शेखावाटी क्षेत्र में ही आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शेखावाटी क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 660 से अधिक ऐतिहासिक हवेलियों का चिन्हीकरण किया है। जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और प्रवासी अपनी विरासत से जुड़ सके।

बैठक में बताया गया कि प्रवासी राजस्थानी दिवस पर ऊर्जा एवं अक्षय ऊर्जा, पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी, शहरी विकास, औद्योगिक विकास, खनन एवं पेट्रोकेमिकल सहित अन्य विषयों पर सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, अधिकाधिक प्रवासी राजस्थानियों को इस आयोजन से जोड़ने के लिए विभिन्न शहरों में रोड शो आयोजित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 10 दिसंबर 2024 को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हर वर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की घोषणा की थी। इसी कड़ी में इस वर्ष दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस आयोजित होने जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित उद्योग एवं वाणिज्य, नगरीय विकास एवं आवासन, वित्त, राजस्व, कृषि, स्वायत शासन, ऊर्जा, पर्यटन एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अभिजीत दीपके बोले- सीजेपी की अगली रणनीति जल्द बताएंगे

अभी आंदोलन खत्म हुआ ही है, थोड़ा समय दें; प्रदर्शनकारियों से केस हटाने पर बातचीत जारी

नई दिल्ली.

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- आगे की रणनीति का ऐलान जल्द करेंगे। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन खत्म हुआ है।

प्लीज हमें थोड़ा समय दें। न्यूज एजेंसी के मुताबिक जब उनसे पूछा गया कि पंजाब में पेपर लीक को लेकर उनकी रणनीति क्या होगी, इस पर दीपके ने जवाब दिया कि उस पर भी बात करेंगे। हम अभी इसके लिए प्लानिंग कर रहे हैं। सरकार के साथ बातचीत पर उन्होंने कहा कि जो केस फाइल किए गए हैं, उनके बारे में बात चल रही है। किसी भी स्टूडेंट के खिलाफ कोई केस रजिस्टर नहीं होना चाहिए।

घर से दोस्त संग निकला था रेहान, एनएच-11 पर तेज रफ्तार कार ने छीन ली जिंदगी

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। शहर में रविवार सुबह नेशनल हाईवे-11 पर तेज रफ्तार कार ने 11 वर्षीय मासूम को कुचल दिया। हादसे में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन सहित फरार हो गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर करीब आधे घंटे तक जाम लगाकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

हादसा रविवार सुबह करीब 9:30 बजे मलसीसर रोड स्थित नेशनल हाईवे-11 पर हुआ। अंसारी कॉलोनी निवासी सद्दाम ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनका 11 वर्षीय बेटा रेहान अपने दोस्त के साथ घूमने के लिए निकला था। दोनों सड़क पार कर रहे थे, तभी हरियाणा नंबर की काले रंग की किआ कार तेज रफ्तार से आई और रेहान को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया।

दोस्त ने रोते हुए दी हादसे की सूचना

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद रेहान सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर तड़पता रहा। उसके साथ मौजूद दोस्त घबरा गया और रोते हुए रेहान के घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही परिवार और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

आधे घंटे तक हाईवे रहा जाम

मासूम की मौत से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर नेशनल हाईवे-11 पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

पुलिस ने समझाइश कर खुलवाया जाम

घटना की सूचना पर डिप्टी एसपी गोपाल ढाका और शहर कोतवाल श्रवण कुमार भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और करीब आधे घंटे बाद जाम खुलवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पुलिस जुटी आरोपी की तलाश में

शहर कोतवाल श्रवण कुमार ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार कार चालक की तलाश की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

सिद्धारमैया का ऐलान- 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा

बोले- राजनीति भ्रष्ट हो गई; दो महीने पहले ष्टरू पद छोड़ा था, शिवकुमार नए मुख्यमंत्री बने

नई दिल्ली

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के के.आर. पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है। सिद्धारमैया ने कहा- मैं अब 79 साल का हो चुका हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी।

मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही। अब पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है।

सिद्धारमैया का यह बयान उनके ष्टरू पद छोड़ने के दो महीने बाद आया है। सिद्धारमैया ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देश और रोटेशनल सीएम फॉर्मूले के तहत 28 मई को अपने पद से इस्तीफा दिया था।

कारगिल विजय दिवस पर निकाली तिरंगा रैली

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला झुंझुनू द्वारा जानूं स्कूल से शहीद स्मारक तक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा कारगिल युद्ध के अमर वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। विभाग संयोजक कुलदीप जगावत ने बताया कि रैली के दौरान पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति के उत्साह से ओत-प्रोत रहा। भारत माता की जय, वंदे मातरम्, वीर शहीद अमर रहें, कारगिल के वीर जवान - राष्ट्र का स्वाभिमान, शहीदों का बलिदान - राष्ट्र का अभिमान जैसे उद्घोषों से झुंझुनू गुंजायमान हो उठा। तिरंगे की शान और भारत माता के गौरव के प्रति समर्पण का यह दृश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत कर रहा था। दिल्ली विश्वविद्यालय एबीवीपी छात्र कार्यकर्ता चिराग साधना ने बताया कि रैली का उद्देश्य कारगिल के अमर वीरों के अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य, त्याग एवं सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं संप्रभुता के प्रति अटूट निष्ठा का भाव जागृत करना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। शहीदों का सम्मान और राष्ट्रध्वज का गौरव बनाए रखना प्रत्येक भारतीय का सर्वोच्च कर्तव्य है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभाविप झुंझुनू विभाग के विभाग संगठन मंत्री बलवीर सैनी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य विजय का स्मृति दिवस नहीं बल्कि भारत की अस्मिता, सैनिकों के अदम्य साहस और मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले वीर सपूतों के अमर बलिदान का राष्ट्रीय पर्व है। उन्होंने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों ने अपने शौर्य और पराक्रम से विश्व को यह संदेश दिया कि भारत अपनी एक-एक इंच भूमि की रक्षा के लिए सदैव सक्षम और संकल्पित है। उन्होंने कहा कि जब तक सूरज-चाँद रहेगा, वीरों का नाम रहेगा। कारगिल के वीरों की गाथाएँ सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रेरित करती रहेंगी। भारत का युवा राष्ट्र के साथ था, है और सदैव रहेगा। राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के विरुद्ध होने वाली प्रत्येक गतिविधि का लोकतांत्रिक एवं वैचारिक स्तर पर सशक्त प्रतिकार किया जाएगा तथा राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना के साथ युवा शक्ति सदैव अग्रणी भूमिका निभाएगी और युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि एक तिरंगा - एक पहचान, जय हिंद - जय हिंदुस्तान। हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा केवल एक अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के हृदय में बसने वाले राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय गौरव और अपनी मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए और भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान दे। रैली का समापन शहीद स्मारक पर वीर अमर जवानों को पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर प्रांत टोली सदस्य अभय सिंह, जिला संयोजक रोहित गुर्जर, कुणाल एचरा, पंकज बॉक्सर, महिपाल, अक्षय चौधरी, मनीष फोगाट, दीपक सैनी, भरत कुमार, यश शर्मा, निशु वर्मा, दिव्या, सौरभ, विश्वास शर्मा, करण रोहिल्ला, नितेश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हत्या के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

छह माह पहले शराब में जहर देकर की वारदात

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी पुलिस ने थाना क्षेत्र के रंवा गांव में छह माह पहले हुई हत्या की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने वारदात के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थानाधिकारी बुद्धि प्रसाद ने बताया कि 23 जनवरी को परिवादी ने थाने में रिपोर्ट दी कि 22 जनवरी को उसका बेटा मीन्टु उर्फ भालू जो तिजारा निवासी राहुल गुर्जर के साथ बैठकर शराब पी रहा था। फिर उसके बाद में कुछ कहासुनी हुई उसके बाद उसके बेटे को बेरहमी से पिटा गया और पीट-पीट कर अधमरा कर दिया और वही मारपीट कर फैंक गये। फिर उसे हॉस्पीटल झुन्झुनूं लाया और यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित बताया। उसके साथ दो व्यक्ति और थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा प्रकरण के साक्ष्यों के आधार पर राहुल पुत्र रामकुमार निवासी गहनसर तिजारा जिला खेरथल तिजारा को प्रकरण में बाद पूछताछ गिरफ्तार किया गया। आरोपी से गहनता से पूछताछ करने पर सामने आया कि राहुल व मृतक मीन्टु उर्फ भालू की आपस में कहासुनी होने पर राहुल ने बदला लेने की नियत से मृतक मीन्टू उर्फ भालू को मारने की योजना बनाई। उसने मृतक के गांव आकर उसे शराब में जहर मिलाकर पिला दिया जिससे उसकी तबियत खराब हो गई व कुछ समय पश्चात उसकी मृत्यू हो गई। आरोपी राहुल द्वारा किये गये अपराध से वह निश्चिंत था कि किसी को पता नही लगेगा लेकिन पुलिस टीम द्वारा किये गये गहन अनुसंधान से 6 माह पुरानी हत्या के राज का पर्दाफाश हुआ। इस दौरान टीम में एएसपी फूलचन्द मीणा, डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क, थानाधिकारी बुद्धि प्रसाद, इंस्पेक्टर रूपाराम, एएसआई कल्याणसिंह, रणवीर सिंह आदि शामिल थे।

आंखों के शिविर में 71 रोगियों की हुई जांच

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी कस्बे के स्वामी रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द स्मृति मंदिर रविवार को नि:शुल्क आँखों का शिविर लगाया गया। मिशन के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने शिविर का फीता काटकर शुभारंभ किया। शिविर में जयपुर के सहाय नेत्र रिसर्च सेंटर के विशेषज्ञ चिकित्सको द्वारा 71 रोगियो की जांच की जाकर 34 रोगियो को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए जयपुर रवाना किया गया। मिशन सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने बताया कि रामकृष्ण मिशन द्वारा सामाजिक सरोकार की पहल करते हुए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाता है जो गरीब व असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। सामाजिक सरोकार में रामकृष्ण मिशन अपनी एक अलग पहचान बना रहा है। जिसमें स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को मानते हुए महिलाओं को नि:शुल्क सिलाई सेंटर में प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, वही बच्चों को कंप्यूटर के क्षेत्र में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन द्वारा गरीबों में समय-समय पर वस्त्र व अन्य घरेलू सामग्री वितरित कर स्वामी विवेकानंद के कार्यों को चरितार्थ कर रहा है। रामकृष्ण मिशन में आने वाले हर व्यक्ति की समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही समाधान करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि रामकृष्ण मिशन के सदस्य स्वामी विवेकानंद के बताए हुए मार्ग पर चलकर गरीब व असहाय लोगों की मदद करने में अग्रिम पंक्ति में खड़े हुए है। इस मौके पर डॉ ज्योति, स्वामी योगयुक्तानंद महाराज, कालीचरण, कृष्ण कुमार, सुरेश सैनी, गोपी राम, रोशन सैनी, महेश कुमार, राजेश कुमार, मयंक, मोहित, ग्यारसी लाल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

कारगिल शहीद भगवान सिंह को किया नमन

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के पपूरना पंचायत की बंधा की ढाणी में रविवार को कारगिल शहीद भगवान सिंह के स्मारक पर कारगिल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करणी सेना जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह फौजी थे जबकि अध्यक्षता रामसिंह प्रधान ने की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह फौजी ने कहा कि आज का दिन देश के लिए गौरव का दिन है। राजस्थान की वीर धरा की परंपरा है कि देश की सुरक्षा करते हुए न्योछावर हो जाना। वीर शहीदों की बदौलत ही आज हम सीमाओं की तरफसे सुरक्षित हैं। शहीद सभी के लिए सम्माननीय है। शहीद तो देवता की तरह है, इनकी हर समय पूजा करनी चाहिए। पारिवारिक कार्यक्रमों में भी इनकी प्रतिमा पर धोक लगानी चाहिए। झुंझुनूं जिले को देश में सर्वाधिक सैनिक देने का गौरव प्राप्त है। यहां के युवाओं को बचपन से ही देश सेवा के प्रेरित किया जाता है जो सेना में भर्ती होकर अपने देश की सरहद पर बहादुरी का परिचय देते है। जिले के गांवों में सड़क किनारे लगी शहीदों की प्रतिमाएं युवाओं को आगे बढ़कर देश सेवा के लिए प्रेरित करती है। ऐसे में युवाओं को भी शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ाना चाहिए। शहीद भगवान सिंह 17 दिसंबर 1987 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। वहीं 28 जून 1999 को कारगिल की लड़ाई लड़ते हुए देश के लिए वीरगति को प्राप्त हो गए थे। इस मौके पर हवलदार इककुराम, मदन सिंह निर्वाण, पप्पू राम, रामसिंह गुर्जर, लीलाराम गुर्जर, सुरेंद्र, सचिन कुमार, अजय कुमार, नरेश कुमार, राधेश्याम, ओमप्रकाश, संतोष कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत भावनदेसर में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। शंकर लाल धेतरवाल ने बताया सिद्ध योगी होशियार नाथ महाराज की बगीची में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के तहत 29 जुलाई को प्रात: बगीची में महंत रुद्रनाथ महाराज के सानिध्य में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। जिसमें प्रात: महाआरती होगी उसके बाद गुरु पूजन का कार्यक्रम होगा। शाम को संतों के सानिध्य में सत्संग का आयोजन रखा गया है इस भव्य आयोजन को लेकर बगीची में तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह 16 अगस्त को, तैयारियां जोरों पर

निसं

सरदारशहर (नवयत्न)। आगामी 16 अगस्त को आयोजित होने वाले राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 एवं लाइब्रेरी उद्घाटन समारोह की तैयारियों ने गति पकड़ ली है। आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित एवं ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से स्थानीय श्री करणी राजपूत छात्रावास में स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व प्रधान भीकम सिंह राजासर ने की। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा समाज के अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समारोह के सफल संचालन के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन कर सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। साथ ही प्रत्येक समिति को समयबद्ध तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए, ताकि आयोजन पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो सके। बैठक में छात्रावास के विकास, समाज के संगठनात्मक कार्यों को और अधिक सशक्त बनाने, विद्यार्थियों के हित में संचालित गतिविधियों को विस्तार देने तथा शिक्षा के क्षेत्र में समाज की भूमिका को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान समाज को नई दिशा देने का कार्य करता है और इससे युवाओं में शिक्षा एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रति सकारात्मक प्रेरणा मिलती है। क्षत्रिय राजपूत महासभा के अध्यक्ष विक्रम सिंह बिल्यू ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्रधान भीकम सिंह राजासर करेंगे। कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि भामाशाह मेघराज सिंह रॉयल एवं महंत सुरेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, खेल, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अन्य उपलब्धियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही छात्रावास परिसर में तैयार नई लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। बैठक में छात्रावास अध्यक्ष जगदीश सिंह हरपालसर, रणवीर सिंह हरपालसर, राजेंद्र सिंह छाजूसर, जितेंद्र सिंह हाडु, पार्षद मदन सिंह निर्माण, विजेंद्र सिंह आसलसर, किशोर सिंह राठौड़, सुरेंद्र सिंह शिमला, अनोप सिंह शिमला, नरपाल सिंह रणसीसर, उम्मेद सिंह सारसर, कमेर सिंह देगा, गजेंद्र सिंह शेखावत, जितेंद्र सिंह भाटी, योगेंद्र सिंह शेखावत, पृथ्वी सिंह कल्याणपुरा, एडवोकेट दलीप सिंह पंवार, एडवोकेट बाबू सिंह शिमला, पूर्ण सिंह भाटी हरियासर, दौलत सिंह हरियासर, श्रवण सिंह आसूसर सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने एकजुट होकर 16 अगस्त को आयोजित होने वाले राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह एवं लाइब्रेरी उद्घाटन समारोह को समाज का ऐतिहासिक आयोजन बनाने का आह्वान किया तथा अधिक से अधिक समाजबंधुओं से कार्यक्रम में भागीदारी निभाने की अपील की।

भाई बहन संग अपने घर पहुंचे प्रभु जगन्नाथ

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के सनातन धर्म मंदिर में श्री जगन्नाथ समिति के तत्वाधान में चल रही नौ दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ पुजा का समापन दाल, भात व खीर के भंडारे के साथ हुआ। बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। केसीसी कार्यपालक निदेशक पीडी बोहरा, लीला बोहरा की मुख्य यजमानी में पंडित सुमन तिवाड़ी व विमल शर्मा ने विधिवत रूप से हवन करवा कर पूजा अर्चना के पश्चात भगवान को प्रसाद का भोग लगाया गया। देर रात कीतृन के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और मां सुभद्रा को यथा स्थान पर विर्सजित कर पूजा का समापन की गई। विनायक साहू ने बताया कि पौराणिक परंपरा है कि ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा को गर्मी से मुक्ति पाने के लिए भगवान 108 घड़े का स्नान कर लेते हैं। इसके कारण भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा ज्वर से पीड़ित हो जाते हैं। भगवान के स्वस्थ होने के बाद वापस मौसी के घर से रथ में बैठ कर अपने घर जाते है। इस मौके पर मनीष गंवाई, डी. महापात्रा, अमित चक्रा, आशीष, सौरभ श्रीनायक, विनायक साहू, सुरेन्द्र रथ, संतोष दास, समिति अध्यक्ष सवाई सिंह सिराधना, महामंत्री अभिषेक पारीक, उपाध्यक्ष राजेश डाढ़ेल, एमएल जोशी, रमेश पांडे, राजकुमार टेलर, राधाकृष्ण जांगिड़, नागेश राज पुरोहित, जगदीश सिंह सोढ़ा, रणजीत सिंह, श्रवण सेन, भूषण रोजा, चरण सिंह, रेखा सैनी, पूनम शर्मा, संतोष, विमला देवी, सुमन मीणा, रेशमा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मेरो प्यारो नंदलाल किशोरी राधे के भजनों पर झूमें श्रद्धालु

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। अंजनी माता मंदिर परिसर में पांच दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के तहत नानी बाई रो मायरो का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें दूसरे दिन की कथा में व्यास पीठ पर विराजित कथावाचक तुलसीराम पांडे ने भगवान नरसी मेहता की कहानी विस्तार से श्रद्धालुओं को सुनाई एवं नरसीजी को जीवन में कितना संघर्ष करना पड़ा लेकिन भगवान को वह कभी नहीं भूले भगवान से उनका अटू प्रेम का रिश्ता था जिसके कारण उनके सारे कार्य मंगल होते थे। कथावाचक तुलसीराम पांडे ने कहा कि जीवन के अंदर अच्छे कर्म करो फल देने वाला भगवान है। साथ ही अपने बच्चों को भी अच्छे संस्कार दो जिससे अपने घर में अच्छा वातावरण बना रहेगा। कथा के दौरान तुलसीराम पांडे ने भजन मेरो प्यारो नंदलाल किशोरी राधे, भगत के बस में है भगवान, गोविंद मेरो है गोपाल मेरो है आदि भजनों के बोल पर श्रद्धालु गण नाचने पर मजबूर हो गए। इस अवसर पर मुख्य यजमान राधे श्याम पारीक ने आरती उतार कर महाराजश्री से आशीर्वाद लिया। वही दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई। आज की कथा में विभिन्न देवी देवताओं की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र थी। कथा में मनोज पुजारी, संजय पुजारी, अंकित पुजारी, मोहित पुजारी, पुरुषोत्तम मारू, मनोज पारीक टेंट वाला आदि श्रद्धालु गण उपस्थित रहे।

बाल्यावस्था में संस्कारों की नींव मजबूत होगी तो समाज का भविष्य उज्ज्वल होगा : कमलसिंह

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। संत निरंकारी मंडल कॉपर के तत्वावधान में रविवार को केसीसी स्थित दीनबंधु मैरिज पैलेस में निरंकारी बाल समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केसीसी कार्यपालक निदेशक पीडी बोहरा थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी हरीराम गुर्जर, श्री सनातन धर्म समिति अध्यक्ष सवाई सिंह सिराधना, राजेश डाढेल मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेवाड़ी के ज्ञान प्रचारक महात्मा डॉ कमलसिंह ने की। समागम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ कमलसिंह ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक एवं नैतिक संस्कारों से जोड़ना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज बच्चों को सत्संग से जोड़ने और उनमें मानवता, प्रेम, सेवा तथा सद्भाव जैसे गुण विकसित करने की प्रेरणा दे रही हैं। यदि बचपन से ही बच्चों के भीतर सत्य, सहनशीलता, अनुशासन और सेवा की भावना विकसित की जाए तो वे आगे चलकर आदर्श नागरिक बनेंगे और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बदलती जीवनशैली के बीच बच्चों का आध्यात्मिक रूप से सशक्त होना समय की मांग है। ऐसे बाल समागम नई पीढ़ी को परमात्मा से जोड़ने के साथ-साथ विश्व बंधुत्व, एकत्व और मानव सेवा की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि जब बच्चों में प्रेम, करुणा, समर्पण और सत्यनिष्ठा के संस्कार विकसित होंगे, तभी एक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण समाज का निर्माण संभव होगा। कार्यक्रम संयोजक घनश्यामदास ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाल समागम बच्चों के सर्वांगीण विकास का मजबूत माध्यम है। ऐसे आयोजन बच्चों में सेवा, सुमिरन, सत्संग, अनुशासन और सभी के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब समाज में स्वार्थ, नफरत और असहिष्णुता जैसी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं, तब इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजन बच्चों को सकारात्मक सोच, संतोष, कर्मठता और इंसानियत के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के दौरान जोनल इंचार्ज भगवान बजाज ने अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक राधेश्याम जांगिड़, पिलानी संयोजक रोहताश सिंह राठौड़, गोपराज, गिरधारीलाल, संपतराम डागी, संतोष शर्मा, सुमित्रा कटारिया, नरोत्तमलाल, बलदेव सिंह सहित चूरू, सीकर एवं झुंझुनू जिले की विभिन्न शाखाओं से पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समागम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

गुरु पूर्णिमा की तैयारियों में जुटी टीम आवर फॉर नेशन

निसं

नोखा (नवयत्न)। हर सप्ताह कुछ समय राष्ट्र के नाम के संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते हुए टीम आवर फॉर नेशन ने प्रात: 7 बजे शिवबाड़ी मंदिर क्षेत्र में अपना साप्ताहिक स्वच्छता अभियान आयोजित किया। आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव को ध्यान में रखते हुए यह अभियान मंदिर समिति एवं स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से महंत सोमगिरि जी की समाधि स्थल की परिधि में चलाया गया। अभियान के दौरान टीम के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ सामूहिक श्रमदान करते हुए परिसर की व्यापक सफाई की। हरियाली से आच्छादित एवं सुव्यवस्थित इस क्षेत्र को और अधिक स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से झाड़-झंखाड़, सूखी पत्तियों एवं अन्य कचरे को एकत्रित किया गया। अभियान में लगभग एक ट्रैक्टर-ट्रॉली भरकर कचरा एवं झाड़ एकत्रित कर नगर निगम के डम्पिंग यार्ड भिजवाया गया। इस अवसर पर डीसीबी बैंक के शाखा प्रबंधक मिढ़ा ने भी अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया और स्वच्छता के इस जनआंदोलन की सराहना की। टीम आवर फॉर नेशन के संस्थापक सीए सुधीश शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और जीवनशैली का हिस्सा बननी चाहिए। गुरु पूर्णिमा जैसे पावन पर्व से पूर्व धार्मिक स्थलों की स्वच्छता न केवल श्रद्धा का प्रतीक है बल्कि समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। अभियान में मंदिर समिति एवं स्थानीय नागरिकों के साथ टीम आवर फॉर नेशन के सदस्य ब्रजेंद्र त्रिपाठी, इन्द्र सिंह, सुशील यादव, बसंत, मानक व्यास, महेंद्र तिवारी, किशोर भाटिया, अरुण चम, भवानी सिंह राजपुरोहित, सोनी शर्मा, दीपा सिंह, वंदना शर्मा, चंद्रकला उपाध्याय, पुरुषोत्तम शर्मा, सीए वसीम रज़ा, सीए सुधीश शर्मा, गजेन्द्र सरीन, गुरमोहन सेठी, रमेश उपाध्याय तथा डॉ फ़ारूक़ अहमद उपस्थित रहे। वर्ष 2016 से बिना किसी आर्थिक सहयोग, राजनीतिक संरक्षण या व्यक्तिगत स्वार्थ के निरंतर संचालित टीम आवर फॉर नेशन प्रत्येक रविवार सामूहिक श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता, जनजागरण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दे रही है। टीम का विश्वास है कि जब समाज स्वयं आगे बढ़कर अपने शहर की जिम्मेदारी निभाता है, तभी स्वच्छ, सुंदर और जागरूक भारत का निर्माण संभव है।

नीट में चयनित तेतरवाल का किया सम्मान

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। बाड़ा गांव के होनहार छात्र राजेश के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में चयन होने पर रविवार को राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत, लाडनूं के ब्लॉक अध्यक्ष नानूराम गोदारा ने उनके निवास पहुंचकर सम्मान किया। इस दौरान गोदारा ने राजेश को पगड़ी पहनाकर एवं शुभकामनाएं देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गोदारा ने कहा कि राजेश किसान परिवार से जुड़े साधारण परिवेश में पले-बढ़े हैं। परिवार में शिक्षा का विशेष माहौल नहीं होने के बावजूद उन्होंने शुरू से ही पढ़ाई के प्रति लगन, अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर यह सफलता हासिल की है। उनका चयन ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते।

कारगिल विजय दिवस मनाया

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। ग्राम निम्बी जोधा स्थित भीकूलाल सारडा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध के वीर शहीद मूलाराम बिडियासर की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कर्नल राजेंद्र सिंह जोधा, सुबेदार रघुवीर सिंह जोधा, गोपाल सिंह खीचड़, समाजसेवी हरीराम खीचड़, गिरवर सिंह जोधा, शिवनारायण कासनियां, जेठाराम खीचड़, लादूराम खीचड़, मदन ठोलिया, मुकेश पूनिया, सुखाराम खीचड़, अर्जुनराम चोयल एवं सुखाराम भामू, पूर्णाराम चोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय सेना की तैयारी कर रहे युवाओं एवं विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राजेंद्र सिंह जोधा ने कहा कि कारगिल के वीर सपूतों का बलिदान सदैव देशवासियों को साहस, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहे। कार्यक्रम का आयोजन शहीद मूलाराम ऑफसेट संचालक एवं समाजसेवी हरीराम खीचड़ के सौजन्य से आयोजित किया गया।

सुकून की छांव कार्यक्रम संपन्न

निसं

नोखा (नवयत्न)। महावीर इंटरनेशनल नोखा केंद्र द्वारा केन्द्र चेयरमैन वीर सुरेन्द्रकुमार हीरावत की अध्यक्षता में एक सादे समारोह में सुकून की छांव कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर राजेंद्रसिंह राठौड़ ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा कर्मियों को धूप व वर्षा से सुरक्षा प्रदान करना तो है ही साथ ही इसके माध्यम से समाज में वर्ग भेद के कारण उत्पन्न दूरियों को पाटने का एक भावनात्मक प्रयास है। केंद्र चेयरमैन सुरेंद्रकुमार हीरावत ने बताया कि सुकून की छांव महावीर इंटरनेशनल का सबको प्यार-सब की सेवा ध्येय वाक्य का साकार रूप है जिसमें सर्दी, गर्मी व बरसात में भी फुटपाथ पर खुलने में बैठकर अपनी रोजी-रोटी कमाने का प्रयास कर रहे अल्प आय वर्ग के सेवा कर्मियों को धूप व वर्षा से बचाने का एक छोटा सा प्रयास है ताकि वह सुकून के साथ अपना कार्य कर सकें। सुकून की छांव कार्यक्रम प्रभारी व केंद्र उपाध्यक्ष वीर निर्मलकुमार भूरा ने बताया कि आज पांच सेवा साथी भींयाराम मोची, राधेश्याम मोची, श्यामलाल मोची, अचलाराम दर्जी व प्रेमदेवी प्रजापत को छतरियां भेंट की गई तथा आगामी दिनों में और साथियों का कमेटी द्वारा चयन करते हुए उन्हें भी छतरियां भेंट कर संबल प्रदान करने का प्रयास महावीर इंटरनेशनल द्वारा किया जायेगा। बुजुर्ग सेवा साथी महीराम मोची सहित समस्त लाभार्थियों ने इस नेक सेवा कार्य की सराहना करते हुए महावीर इंटरनेशनल नोखा केंद्र का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर डॉ एमपी तिवारी, मोहनलाल पारख, ईश्वरचंद दूगड़, बाबूलाल कांकरिया, भंवरलाल बुच्चा, सीए पंकज चांडक, रामचंद्र दान सांदू, शिवरतन सोनी, जयकरणदान चारण, श्याम सेवग आदि उपस्थित थे।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव 29 को

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ तहसील के गांव रतनादेसर नुवाँ की रोही में स्थित सजना शक्ति मंदिर प्रांगण में श्री श्री 1008 संत शिरोमणि कुंभभारती महाराज के सानिध्य में 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव तथा वृक्षारोपण आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से किया जाएगा। मंदिर प्रबंधक कमेटी के प्रमुख कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष मुरलीधर सारस्वत ने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सघन वृक्षारोपण के पश्चात मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारा प्रसादी सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा । सामाजिक कार्यकर्ता वरिष्ठ अध्यापक शिवकरण सारस्वत ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने मां शक्ति के सभी भक्तों को कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। गौरतलब है कि इस मंदिर के आसपास 6 महीने पहले कुछ नहीं था। आज मंदिर का जीर्णोद्धार, मंदिर के पास गौशाला, गौ माताओं के लिए छायादार शेड, विशाल चारागृह, भक्तों के लिए कमरे, विश्रामगृह, पेयजल हेतु ट्यूबेल आदि का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। इस पवित्र कार्य में 6 माह में ही एक करोड रुपए से अधिक की धनराशि का निर्माण हो चुका है। ओम सारस्वत ने बताया कि यह शक्ति मंदिर साढ़े तीन सौ वर्ष प्राचीन विरासत है। यहां स्थापित शक्ति की प्रतिमा अलौकिक व चमत्कारी है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव 29 जुलाई को

निलेश मुदगल

झुंझुनू (नवयत्न)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर झुंझुनू स्थित चंचलनाथ टीले पर 29 जुलाई को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पूरे टीले परिसर, मंदिर एवं समाधि स्थल को जीवंत पुष्प सज्जा तथा रंग-बिरंगी आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक आभा से आलोकित रहेगा। टीले के संत विचारनाथ महाराज ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: सवा 7 बजे गुरु परंपरा के अनुसार ओमनाथ महाराज द्वारा अपने गुरुओं की समाधि स्थलों पर भोग अर्पित करने, पुष्पांजलि अर्पण तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना से होगा। इसके पश्चात विचारनाथ महाराज अपने पूज्य गुरुदेव ओमनाथ महाराज का विधिवत पूजन करेंगे। गुरु पूजा के दौरान शिष्य गुरुदेव का तिलक कर पुष्पमाला अर्पित करेंगे तथा फल, फूल, नारियल, मिठाई, वस्त्र एवं श्रद्धा भेंट समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। गुरु चरणों में नमन कर उनकी आरती उतारेंगे, गुरु वंदना का गायन करेंगे तथा गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेंगे। महोत्सव के दौरान चूरू, सीकर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिष्य एवं श्रद्धालु उपस्थित होंगे। वे भक्तिभाव से भजन-कीर्तन प्रस्तुत करेंगे, जिससे पूरा परिसर भक्तिरस से सराबोर हो जाएगा। कार्यक्रम में गुरु महिमा का गुणगान, सत्संग एवं आशीर्वचन भी होंगे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कल

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत्त सीकर चुन्नीलाल ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस-2 एवं जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए गठित जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 28 जुलाई मंगलवार को सायं 4 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार, सीकर में आयोजित की जाएगी।

प्रिंस ओलंपियाड-2026 में 108 करोड़ की छात्रवृत्ति एवं सिंगापुर का भ्रमण

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। देश की बहुप्रतीक्षित प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा प्रिंस ओलंपियाड-2026 का शुभारंभ पोस्टर विमोचन के साथ सीकर स्थित प्रिंस एजुकेशन हब कैंपस में आयोजित प्रेस वार्ता में हुआ। किसी भी बोर्ड एवं किसी भी विद्यालय में कक्षा 5वीं से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थी इस परीक्षा में भाग ले सकते हैं। इस मेगा टेलेंट रिवार्ड एग्जामिनेशन में 108 करोड़ रू. की छात्रवृत्ति, 75 लाख रू. के नकद पुरस्कार एवं सिंगापुर का शैक्षणिक भ्रमण भी शामिल हैं। साथ ही प्रत्येक शामिल विद्यार्थी को पांच पेज की लीप एसेस्मेंट रिपोर्ट नि:शुल्क दी जायेगी। इस रिपोर्ट के माध्यम से विद्यार्थियों की लर्निंग एबिलिटी, क्रिटिकल थिंकिंग, एनालाइटिकल स्किल्स, मेमोरी पावर एवं रिजनिंग एबिलिटी आदि का विषय के अनुसार अध्ययन कर स्टूडेंट्स को स्टडी एवं कॅरियर की डायरेक्शन भी मिलेगी। प्रिंस ओलंपियाड में भाग लेने के लिए प्रिंस एजुकेशन हब की वेबसाइट पीओप्रिंसएडुहब.कॉम पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। परीक्षा पूर्णतया नि:शुल्क है। परीक्षा, पाठ्यक्रम, पुरस्कार, छात्रवृत्ति एवं आवश्यक निर्देश से सम्बन्धित सभी जानकारियां वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रेस वार्ता में प्रिंस एजुहब चेयरमैन डॉ पीयूष सुण्डा, राजेश ढिल्लन, ब्रिगेडियर बीबी जानू, कर्नल कपिल देव कौशल, राकेश रूहेला, एमआर अग्रवाल, मनोज ढ़ाका, पूनम चौहान सहित प्रबंधन सदस्यों ने प्रिंस ओलंपियाड-2026 के पोस्टर विमोचन के साथ कहा कि प्रिंस ओलंपियाड के माध्यम से विद्यार्थी को नेशनल लेवल पर अपनी प्रतिभा का आंकलन करने के साथ ही देश के प्रतिष्ठित प्रिंस एजुहब की विभिन्न संस्थाओं में बड़ी छात्रवृत्ति के साथ अध्ययन का अवसर भी मिलेगा।

दो चरणों में आयोजित होगा प्रिंस ओलंपियाड

प्रिंस ओलंपियाड के प्रथम चरण का आयोजन 13 सितंबर व 20 सितंबर 2026 को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में होगा। विद्यार्थी किसी भी एक दिन इस परीक्षा में शामिल हो सकता है। प्रथम चरण में चयनित प्रतिभागी द्वितीय चरण में शामिल हो सकेंगे। द्वितीय चरण का आयोजन 11 अक्टूबर व 18 अक्टूबर, 2026 को सीकर में कक्षावार ऑफलाइन किया जायेगा।

छात्रवृत्ति

प्रिंस ओलंपियाड के प्रथम एवं द्वितीय चरण में प्राप्त रैंक के अनुसार विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में 20 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति एवं नकद पुरस्कार दिये जायेंगे।

इलीट स्कॉलर्स कैम्प

प्रिंस ओलंपियाड एग्जाम एवं लीप रिपोर्ट के आधार पर चयनित विद्यार्थियों को पांच दिवसीय रेजिडेंशियल इलीट स्कॉलर्स कैम्प एवं प्रशिक्षण नि:शुल्क मिलेगा। चयनित विद्यार्थियों को सिंगापुर के इंटरनेशनल एडुकेशनल टूर का अवसर भी मिलेगा।

रेलवे स्टेशन को दो मालवाहक ट्रॉली भेंट

निसं

नोखा (नवयत्न)। जैन सोसाइटी ट्रस्ट की प्रेरणा से स्वर्गीय कैलादेवी धर्मपत्नी भिवराज भूरा देशनोक की दीक्षा व स्मृति में उनके परिवार द्वारा देशनोक रेलवे स्टेशन को दो मालवाहक ट्रॉली भेंट की गई। ट्रस्ट अध्यक्ष सीकरचंद पींचा ने कहा कि कोई भी यात्री इस मॉल वाहक ट्रॉली आधार कार्ड काउंटर पे जमा देकर इसका उपयोग कर सकता है और भविष्य में भी इस तरह के संसाधन ट्रस्ट द्वारा रेलवे को उपलब्ध कराए जायेंगे। ट्रस्ट के हनुमान पींचा ने बताया कि जैन सोसायटी से यह सेवा कार्य हर क्षेत्र निरन्तर जारी रहेंगे। इस मौके पर जैन सोसाइटी ट्रस्ट के अध्यक्ष सीकरचंद पींचा, पूर्व पालिकाध्यक्ष हनुमान पींचा, टीकमचंद बुच्चा, दीपचंद लूणावत, उत्तम चन्द भूरा, देशनोक स्टेशन अधीक्षक शान्ति प्रसाद सकलानी, रोहिताश सैनी, मनीष चौहान, राहुल, रूक्मदीन खान सहित समस्त रेलवे स्टाफ आदि उपस्थित थे।

भाजपा नेता करणी सिंह का किया सम्मान

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। पंचायत क्षेत्र के गांव खोखरी में भाजपा नेता करणी सिंह का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने क्षेत्र की राजनीति और सामाजिक भाईचारे को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशासक गणेश चबराल ने कहा कि करणी सिंह और उनके परिवार पर किसी प्रकार से जातिवाद के आरोप लगाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ठाकुर मनोहर सिंह के चुनाव के समय भी जाट समाज ने बड़ी संख्या में उनका समर्थन करते हुए मतदान किया। श्रीराम साख रताऊ ने कहा कि करणी सिंह का जुड़ाव सदैव ही सर्व समाज के साथ रहा है। इस अवसर पर भाजपा नेता करणी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने और उनके परिवार ने कभी जातिवाद की राजनीति नहीं की और आगे भी उनका सर्व समाज को साथ लेकर चलने का प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि लाडनूं के विकास में आने वाले समय में कोई कमी नहीं रहे इसके लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कारगिल के वीरों को समर्पित बीकानेर रन क्लब की देशभक्ति रन

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। कारगिल विजय दिवस की स्मृति में रविवार प्रात: नवगठित बीकानेर रन क्लब द्वारा एक भव्य रन फॉर कारगिल का आयोजन किया गया। देशभक्ति गीतों और जोश से भरपूर माहौल में आयोजित इस रन में बीकानेर के सैकड़ों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और समर्पण का परिचय दिया। बीकानेर में हाल ही में गठित बीकानेर रन क्लब बहुत कम समय में युवाओं के बीच एक सकारात्मक और प्रेरणादायी मंच के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। बीकानेर पुलिस एवं जिला प्रशासन के सहयोग और मार्गदर्शन में संचालित यह क्लब युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। क्लब का उद्देश्य केवल दौड़ आयोजित करना नहीं है बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम के प्रति प्रेरित करने, सामाजिक सरोकारों से जोड़ने तथा उन्हें नशे एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों से दूर रखते हुए एक जिम्मेदार, जागरूक और राष्ट्रहित में योगदान देने वाला नागरिक बनाना है। रन के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। देशभक्ति गीतों की गूंज और युवाओं का जोश इस बात का प्रमाण था कि बीकानेर का युवा वर्ग अब फिटनेस को केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व के रूप में भी स्वीकार कर रहा है। इस पहल के संयोजक एक विद्यार्थी हैं। उन्होंने बताया कि बीकानेर रन क्लब आने वाले समय में नियमित रन, फिटनेस गतिविधियों, जागरूकता अभियानों और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से अधिकाधिक युवाओं को जोड़ने का प्रयास करेगा ताकि बीकानेर एक स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक युवा शक्ति का उदाहरण बन सके।

अवॉर्ड सेरेमनी व मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। जयपुर-बीकानेर बाईपास रोड, सीकर स्थित सीबीएसई इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रिंस एकेडमी में अवॉर्ड सेरेमनी व मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 11वीं व 12वीं के आयोजित फोर्टनाईटली टेस्ट, क्लेट, आईलेट, सीयूईटी, एसटीएसई, सीए-फाउण्डेशन एवं करेंट अफेयर्स कॉम्पिटिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 280 विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रिंस एजुहब चेयरमैन डॉ पीयूष सुण्डा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि केवल रटने के बजाय एनालिटिकल स्किल्स व कन्सेप्चुअल लर्निंग पर फोकस करना बेहद जरूरी है। सेमिनार में प्रबंध निदेशक एम आर अग्रवाल, एकेडमिक हेड धर्मपाल सिंह, कॉर्डिनेटर्स व फैकल्टी मेंबर्स सहित हजारों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन का समापन

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। जैन विश्व भारती में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन का समापन हुआ। इस दौरान पुलिस के द्वारा महिला सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें देशभर से आई हुई महिलाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डीडवाना-कुचामन पुलिस अधीक्षक डॉ प्यारेलाल शिवरान ने महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण योजना, राजकोप सिटीजन ऐप के माध्यम से घर बैठे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा, इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर 1090 पर तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन ठगी और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही महिला सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत है और किसी भी प्रकार की घटना होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करना चाहिए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा ने भी महिलाओं को सुरक्षा के प्रति सजग रहने, कानून द्वारा दिए गए अधिकारों की जानकारी रखने तथा डिजिटल माध्यम का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जेविभा सचिवालय प्रभारी विजयश्री शर्मा, एएसपी हिमांशु शर्मा, सीओ जितेंद्र सिंह चारण, लाडनूं एसएचओ शिंभू दयाल, सुमन नाहटा, प्रीति घोषल, शिल्पी जैन, कालिका टीम कांस्टेबल किरण, कमला खिलेरी, महिला कांस्टेबल राजकोर, मीनाक्षी, प्रभु सहित तेरापंथ समाज की एक हजार से अधिक कन्या और महिलाएं मौजूद रहीं।

10 अगस्त को जेल भरो आन्दोलन को ऐतिहासिक बनायेंगे

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। शिक्षक भवन झुंझुनू में अखिल भारतीय किसान सभा, भारत की जनवादी नौजवान सभा और स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ़ इंडिया का संयुक्त कन्वेंशन आयोजित किया गया जिसमें 10 अगस्त को जिला मुख्यालय पर गिरफ्तारी आंदोलन पर चर्चा की गई। कन्वेंशन की अध्यक्षता किसान सभा जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह ओला, एसएफआई जिला अध्यक्ष आशीष पचार, जिला महासचिव प्रिया चौधरी, नौजवान सभा जिला महासचिव योगेश कटारिया के सयुंक्त पैनल ने की। मीटिंग का प्रस्ताव रखते हुए किसान नेता फूलचंद बर्बर ने कहा कि 10 अगस्त को देश भर में लाखों की संख्या में किसान मजदूर गिरफ्तारियां देकर जेल भरने का काम करेंगे । झुंझुनू जिले में तहसीलों में मीटिंग कर जिम्मेदारिया तय कर बड़ी संख्या में जेल भरो आंदोलन को सफल बनाया जाएगा। 29 जुलाई को तालकटोरा स्टेडियम में विशाल किसान मजदूर कन्वेंशन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें किसान सभा का डेलीगेशन भाग लेगा। मीटिंग का संचालन किसान सभा के जिला महासचिव सुमेर बुडानिया ने किया। मीटिंग को किसान नेता राजेश, नौजवान सभा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ जानू, महिपाल पूनिया, सुरेंद्र लाम्बा, मदन सिंह यादव, गिरधारी लाल महला, सुभाष बुगालिया, प्रवेश झाझड़िया, मूलचंद खरींटा, देवकीनंदन बसेरा, दलित शोषण मुक्ति मंच के सचिव चोपड़ा, नौजवान सभा जिला अध्यक्ष पंकज गुर्जर, संजीव माठ, अरविंद गढ़वाल, रामचंद टोडरवास, विजेंद्र कुल्हरी, पूजा नायक, गोहर खान, शाहिद खान, रोहितास महला, शिवनाथ महला, महावीर खरबास, धन्ना राम सैनी, हरिसिंह बुरड़क, बजरंग लाल बराला ने अपने विचार रखे। मीटिंग का समापन किसान सभा जिला अध्यक्ष रणधीर सिंह ओला ने अपने संबोधन के साथ किया। कन्वेंशन के बाद धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और जंतर मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन की ऐतिहासिक सफलता की खुशी में डिपो चौक तक पैदल मार्च निकाला गया।

सुरभि गौशाला की बैठक आयोजित

निसं

बुगाला (नवयत्न)। पंडित गणेश नारायण नेत भोमिया सुरभि गोशाला में रविवार को पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। अध्यक्षता गोशाला उपाध्यक्ष मनोहर सिंह शेखावत ने की। इस मौके पर गोशाला में लगातार बढ़ रहे पशुभार को देखते हुए एक अतिरिक्त टीनशेड के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया, जिसे सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इस अवसर पर कैप्टन महेश बुगालिया, कोषाध्यक्ष महेंद्र बुगालिया, नंदकिशोर स्वामी, महेंद्र केडिया, गौरीशंकर सैनी, विजयपाल सिंह, महावीर बुगालिया, महीपाल कुमावत, हरिराम जांगिड़, हवलदार रमेश कुमार, सुरेश ठेकेदार, कपिल कुमावत, सत्यवीर सिंह, अनिल स्वामी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग, सीकर गार्गी शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि जिले में 31 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बालक एवं बालिकाएं, जिन्होंने वीरता, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है, वे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु उपयुक्त नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक बालक एवं बालिकाएं राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

त्यागपत्र से उठे सवाल

आखिरकार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा। यह त्यागपत्र यह भी ध्वनित कर रहा है कि सरकार काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर प्रदर्शनरत छात्रों के दबाव में आ गई। लोकतंत्र में जनमत और विशेष रूप से छात्रों की इच्छा का पालन करने में कोई बुराई नहीं।

यह ध्यान रहे कि नीट पेपर लीक से लाखों छात्र प्रभावित हुए थे और उनके साथ अन्य अनेक लोग भी आक्रोशित थे। यह आक्रोश सहज था और सरकार को इसकी चिंता भी करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा करते हुए उसे यह संदेश भी नहीं देना चाहिए था कि जंतर-मंतर पर छात्रों के बीच घुसे अराजक तत्वों की हिंसा से बचने के लिए उसने शिक्षा मंत्री से त्यागपत्र लेना आवश्यक समझा।

ध्यान रहे धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहा कि जंतर-मंतर पर पैदा हुई स्थिति का लाभ राष्ट्रविरोधी ताकतें न उठा लें, इसलिए वे इस्तीफा सौंप रहे हैं। वैसे यदि शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना ही था तो नीट पेपर लीक के बाद ही क्यों नहीं दिया? इसकी तो मांग भी हुई थी।

इसी तरह सरकार ने सीजेपी के धरने और खासकर उसके संसद मार्च के दौरान हिंसा के बाद पेपर लीक के दोषियों को दंडित करने और परीक्षाओं में सेंध लगने की समस्या से निपटने के लिए जो अनेक कदम उठाए, वे पहले क्यों नहीं उठाए जा सके? यदि ऐसा किया गया होता तो शायद सीजेपी के धरना देने की नौबत ही नहीं आती।

यह स्वाभाविक है कि शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र का श्रेय लेने के लिए विपक्ष आगे आ गया है, लेकिन सच यह है कि इस इस्तीफे के साथ ही सीजेपी के सौजन्य से उसके हाथ आया मुद्दा केवल फिसल ही नहीं गया, बल्कि उसके सामने यह प्रश्न भी खड़ा हो गया है कि वह अपने शासित राज्यों और खासकर कर्नाटक, पंजाब आदि में पेपर लीक के मामलों में वहां के शिक्षा मंत्रियों से त्यागपत्र देने की मांग कब करेगा? क्या ऐसी कोई मांग सीजेपी भी करेगी? ऐसे प्रश्नों के बीच यह समझा जाए कि त्यागपत्र राजनीतिक जवाबदेही की पूर्ति के साथ लोगों के गुस्से को शांत भले कर दें, लेकिन वे समस्या का समाधान नहीं करते। पेपर लीक समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता, जब तक शिक्षा और परीक्षा की पूरी व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन नहीं किए जाते। ऐसे परिवर्तन अभी भी वांछित हैं। देखना है कि धर्मेंद्र प्रधान की जगह लेने वाले नए शिक्षा मंत्री शिक्षा और परीक्षा में अपेक्षित सुधार कर पाते हैं या नहीं? धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के साथ ही सरकार जिस तरह सीजेपी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार तत्वों के खिलाफ दर्ज एफआइआर वापस लेने पर सहमत हुई, उससे यह सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि क्या उत्पात मचाने वाले अराजक तत्वों को भी बख्श दिया जाएगा?

संसद में आक्रामकता बनाम रक्षात्मकता: कैसे विपक्ष के दबाव में झुकी सरकार, आखिर गई शिक्षा मंत्री की कुर्सी

सत्तापक्ष, विपक्ष के आगे एक 'हाथजोड़ू प्रार्थना' है। इसके बरक्स विपक्ष एक 'शोर' है, 'नारेबाजी' है, 'काला वस्त्र' है और 'पोस्टर' है। एक जिद है कि हमारा एजंडा मानो, तब चलने देंगे संसद... यानी हम चलाएंगे संसद..। सत्तापक्ष आग्रह करता है : हे विपक्ष जी! कृपया संसद चलने दें, सरकार हर मुद्दे पर विचार करने के लिए तैयार है, नियम एवं समय तय करने पर विचार करेंगे। आसन की ओर से भी विपक्ष के नेताओं से बार-बार आग्रह किया जाता है कि आप वरिष्ठ अनुभवी सांसद हैं, शोर न करें, पोस्टर न लहराएं, सदन चलने दें..। कुछ देर बाद संसद पहले बारह बजे तक, फिर दो बजे, फिर तीन बजे तक और चार बजे तक स्थगित होती रहती है।

सरकार जितना 'हाथजोड़ू मुद्रा' में नजर आती है, उतने ही सबसे बड़े विपक्षी दल के तेवर कड़े होते दिखते हैं। अफसोस कि सत्तापक्ष के पास इसका कोई तोड़ नहीं! जब से मानसून सत्र शुरू हुआ है, तभी से विपक्ष आक्रामक है और सत्तापक्ष रक्षात्मक! विपक्ष पूरी तरह सक्रिय है और उसमें राहुल गांधी आगे हैं...विपक्ष का सारा 'स्पेस' उनका है। सत्तापक्ष, विपक्ष को यह कहकर लज्जित करना चाहता है कि उसका ऐसा अड़ियल व्यवहार गैरजिम्मेदाराना है। एक ओर वह कहता है कि संविधान खतरे में है, तो दूसरी ओर संसद न चलने देकर वह संविधान को ही खतरे में डालता है। सरकार को रक्षात्मक देख विपक्ष अपनी करता रहता है कि संसद चलाना सत्तापक्ष का काम... हमारा काम विरोध करना है। पहले विपक्ष की तीन मांगें मानो कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें, छात्रों से माफी मांगें और नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दें। फिर 'काकरोच जनता पार्टी' की एक और मांग कि प्रदर्शनकारियों पर केस वापस लें।

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के कारण झुकी सरकार, जानें अब तक क्या-क्या हुआ

उधर, 'काकरोच जनता पार्टी' के कुछ नेताओं के लिए 'भूख हड़ताल' भारी पड़ी। एक 'काकरोच' ने भूख हड़ताल के दौरान 'बर्गर' खाया और फिर टीवी चैनलों को स्वयं बताया कि खाया। इसके बाद वह 'काकरोच जनता पार्टी' के प्रवक्ता पद से बाहर हो गया, लेकिन वह बंदा भी गजब कि जाते-जाते कह गया कि 'उन्होंने' भी कचौड़ी खाई है। 'काकरोच' के नेता उतनी सुर्खियों में नहीं दिखते, जितने कि सोनम वांगचुक या विपक्ष के नेता हैं।

संसद में हर दिन अब सिर्फ लंबा 'स्थगन' है! संसद स्थगित, लेकिन बाहर मकर द्वार पर विपक्ष का लगभग हर रोज प्रदर्शन। फिर एक दिन सत्तापक्ष के सांसदों का मकर द्वार पर जवाबी प्रदर्शन...। मानसून सत्र के पहले दिन ही 'काकरोच जनता पार्टी' का संसद की ओर 'कूच' का एलान। पुलिस द्वारा रास्ते बंद करना, लेकिन बढ़ती भीड़ बेकाबू, फिर पत्थरबाजी और पुलिस का बल प्रयोग। ऐसे दृश्य दिल्ली सहित कई बड़े शहरों में देखे गए। चैनलों पर सब कुछ का सीधा प्रसारण... कुछ चैनलों के पत्रकार भी प्रदर्शनकारियों का निशाना बने...बहसें विपक्ष के नेताओं और प्रदर्शनकारियों के पक्ष में झुकती हुई..। उधर, पुलिस का कथन कि प्रदर्शन में बहुत से बाहरी तत्त्व भी शामिल दिखते हैं... वे अपने चेहरों को छिपाकर, हेल्मेट पहनकर पत्थर चलाते हैं, कुछ तलवारें भी लहराते हैं, वे पुलिस या सार्वजनिक संपत्ति को निशाना बनाते हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : क्या पांच सौ अरब डॉलर के लक्ष्य की कीमत भारतीय किसान चुकाएंगे?

देश का किसान एक बार फिर चिंता में है। तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध लगभग डेढ़ वर्ष तक चले ऐतिहासिक आंदोलन के बाद यह उम्मीद जगी थी कि सरकार और किसानों के बीच विश्वास का नया अध्याय शुरू होगा। मगर आज भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर हो रही चर्चा और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत से व्यापार को पांच सौ अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य ने देश के किसानों की आशंकाओं को फिर से जिंदा कर दिया है। प्रश्न सीधा है- यदि इस विशाल व्यापारिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत के कृषि और डेयरी बाजार में रियायतें दी जाती हैं, तो क्या इसकी सबसे बड़ी कीमत किसानों को चुकानी पड़ेगी?

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कई महीनों से अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। दोनों देशों के अधिकारियों के सार्वजनिक बयानों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अधिकांश मुद्दों पर सहमति बनने की दिशा में प्रगति हुई है। दरअसल, बीते फरवरी में अंतरिम समझौते के तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अमेरिका से आयात को आगामी कुछ वर्षों में पांच सौ अरब डॉलर तक पहुंचाने की महत्त्वाकांक्षा सार्वजनिक रूप से व्यक्त की थी। वर्तमान में अमेरिका से भारत का आयात लगभग 45-50 अरब डॉलर के आसपास है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि व्यापार को कई गुना बढ़ाना है, तो अमेरिका किन क्षेत्रों के लिए भारत से उसका बाजार खुलवाना चाहता है?

इस प्रश्न का उत्तर कृषि और डेयरी क्षेत्र की ओर संकेत करता है। अब तक भारत ने इन दोनों क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए संरक्षणात्मक उपाय अपनाए हुए हैं। यही नीति देश के करोड़ों किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा का आधार रही है। मगर व्यापार वार्ताओं से जुड़ी सार्वजनिक चर्चाओं और रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि इन क्षेत्रों में अमेरिका के लिए विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में प्रवेश कर जाएंगे और यहां के घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा के कारण स्थानीय किसानों के हित प्रभावित होना तय माना जा रहा है। अमेरिका की कृषि व्यवस्था पूंजी-प्रधान और

अत्यधिक संरक्षित कृषि व्यवस्थाओं में गिनी जाती है। वहां कृषि का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान एक फीसद से भी कम है और कृषि पर निर्भर आबादी भी बहुत सीमित है। एक सच्चाई यह भी है कि अमेरिकी सरकार अपने किसानों को हर वर्ष अरबों डॉलर की सबसिडी और वित्तीय सहायता देती है। वर्तमान में यह राशि करीब तीस अरब डॉलर है। अब ट्रंप सरकार इस पर मुनाफा चाहती है और अपने कृषि निर्यात पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यही कारण है कि ट्रंप बार-बार भारत-अमेरिका व्यापार को तेज गति से बढ़ाने की बात कर रहे हैं। मगर, इतना बड़ा व्यापारिक लक्ष्य तभी व्यावहारिक होगा, जब भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में अमेरिकी कृषि एवं डेयरी उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी। इसलिए यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि प्रस्तावित व्यापार समझौते के पीछे अमेरिकी कृषि उत्पादों के निर्यात को भारत के विशाल बाजार तक पहुंचाने का उद्देश्य मुनाफे की रणनीति हो सकती है। इसके विपरीत भारत की वास्तविकता बिल्कुल अलग है। यहां कृषि का जीडीपी में योगदान लगभग सोलह फीसद है, जबकि करीब 46 फीसद आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। इसी कारण भारतीय किसान गरीब हैं। इसके अलावा अधिकांश किसान छोटे और सीमांत हैं, वे पहले से ही बढ़ती लागत, सिंचाई, उर्वरक, बीज, मौसम और बाजार की अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि मात्र छह फीसद किसान ही अपनी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। शेष को तो अपनी उपज खुले बाजार में अपेक्षाकृत कम कीमतों पर बेचनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में यदि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, आधुनिक तकनीक से लैस और सरकारी सहायता प्राप्त अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में प्रवेश करते हैं, तो यहां के किसानों की आय पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

यह केवल मूल्य प्रतिस्पर्धा का प्रश्न नहीं होगा, बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि आधारित उद्योगों के भविष्य का सवाल बन जाएगा। इसका प्रभाव खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, डेयरी सहकारी संस्थाओं, ग्रामीण व्यापार, परिवहन तथा लाखों छोटे व्यवसायों तक पहुंच सकता है। इसलिए कृषि और डेयरी से जुड़े किसी भी निर्णय का मूल्यांकन केवल व्यापारिक लाभ या आयात-निर्यात के आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर यह प्रतिस्पर्धा किसके बीच होगी? एक ओर विश्व की सबसे समृद्ध अर्थव्यवस्था अमेरिका है, जहां के किसानों को व्यापक सरकारी संरक्षण और अरबों डॉलर की सबसिडी प्राप्त है। दूसरी ओर भारत है, जहां करोड़ों छोटे और गरीब किसान खेती को अपनी आजीविका का एकमात्र आधार मानते हैं। ऐसे में दुनिया की सबसे संपन्न कृषि व्यवस्था और कमजोर किसानों के बीच प्रतिस्पर्धा कराना न तो आर्थिक न्याय है और न ही दूरदर्शी नीति। यदि भारतीय किसान आर्थिक रूप से समृद्ध होते, तो उनकी आय स्थिर होती और वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होते, तब मुक्त व्यापार का तर्क स्वीकार किया जा सकता था। मगर जब भारतीय किसान स्वयं लागत और आय के संकट से जूझ रहा हो, तब उसे दुनिया की सबसे अधिक सबसिडी प्राप्त कृषि व्यवस्था के सामने खड़ा कर देने को न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारत पहले ही विनिर्माण क्षेत्र में ऐसी असंतुलित प्रतिस्पर्धा का अनुभव कर चुका है। वर्षों से चीन के सस्ते उत्पादों ने भारतीय बाजार में गहरी पैठ बनाई है। परिणामस्वरूप अनेक घरेलू उद्योग कमजोर पड़ गए, कई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम विनिर्माण इकाइयां संघर्ष करती रहीं और 'मेक इन इंडिया' जैसी महत्त्वाकांक्षी पहल के बावजूद भारत अभी तक अपेक्षित औद्योगिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए प्रयासरत है। जब विनिर्माण क्षेत्र में चीन के साथ असंतुलित प्रतिस्पर्धा के दुष्परिणामों से हम आज तक पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं, तो क्या वही गलती अब कृषि और डेयरी जैसे कहीं अधिक संवेदनशील क्षेत्रों में अमेरिका के साथ दोहराई जानी चाहिए? तीन कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया था कि कृषि से जुड़े निर्णय किसानों का विश्वास जीतकर ही सफल हो सकते हैं। सरकार का पहला दायित्व है कि वह पूर्ण पारदर्शिता अपनाए, किसानों को विश्वास में ले और यह स्पष्ट करे कि भारतीय कृषि हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

भारत को अमेरिका के साथ व्यापार अवश्य बढ़ाना चाहिए, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका भी लगातार मजबूत होनी चाहिए, मगर किसी भी व्यापार समझौते की सफलता का पैमाना केवल आंकड़ों का लक्ष्य नहीं हो सकता। उससे कहीं बड़ा प्रश्न यह है कि उस लक्ष्य की कीमत कौन चुकाएगा? यदि इसकी कीमत भारत के गरीब किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़े, तो यह केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं होगा, बल्कि देश की विकास यात्रा के लिए एक गंभीर चुनौती होगी।

संस्थागत बीमारी है पेपर लीक

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के कुछ हफ्ते पहले नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे समूह काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी को कुछ अहमियत तब मिली, जब लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अनशन प्रारंभ किया।

18 जुलाई को जब दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाकर भर्ती किया तो जंतर-मंतर पर भीड़ कुछ बढ़नी शुरू हुई। 20 जुलाई को संसद शुरू होने के दिन सीजेपी के संसद मार्च के पहले जंतर-मंतर पर अच्छी-खासी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने जब भीड़ को संसद की ओर जाने से रोका तो कुछ शरारती तत्वों ने उस पर पथराव करना और बैरिकेडिंग लांघना शुरू कर दिया।

पुलिस ने भीड़ को संसद की ओर जाने से रोकने के लिए जो सख्ती दिखाई, उसने यह बताया कि वह न तो भीड़ का अनुमान लगा सकी और न ही उससे निपटने के लिए ठोस रणनीति बना सकी। इस पर हैरानी नहीं कि उसकी सख्ती एक मुद्दा बन गई, लेकिन सच यह भी है कि भीड़ में कुछ तत्व पुलिस को निशाना बनाने की तैयारी से आए थे।

यह माहौल बनाना सही नहीं कि भीड़ ने कुछ नहीं किया और पुलिस ने बेवजह बल प्रयोग किया। आखिर घायलों में प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी भी हैं। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि अपने समर्थकों में कुछ अराजक तत्वों के घुस आने की बात सीजेपी प्रमुख ने भी मानी।

सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा के बाद राजनीतिक दलों को सरकार के खिलाफ एक मुद्दा मिल गया और वे उसे भुनाने के लिए एक-दूसरे से होड़ में लग गए। कांग्रेस ने जब यह देखा कि सीजेपी को महत्ता मिल रही है तो राहुल गांधी अचानक प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना देने पहुंच गए। आम आदमी पार्टी को यह रास नहीं आया और उसने आपत्ति जताते हुए भाजपा-कांग्रेस में मिलीभगत का आरोप लगा दिया। साफ है विपक्ष का रवैया छात्र हित के बहाने अपनी राजनीति चमकाने वाला अधिक रहा। अनशन तोड़ चुके सोनम वांगचुक को खारिज कर रही कांग्रेस इससे चिंतित दिखी कि कहीं सीजेपी को समर्थन देना उसके लिए राजनीतिक रूप से हानिकारक न हो जाए। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों की चिंता का एक कारण यह भी रहा कि नीट पेपर लीक मामले में उसके विरोध से अधिक महत्ता एक नए बने संगठन को मिल गई। यह उनकी चिंता का कारण बनना भी चाहिए, क्योंकि यह स्थिति जनता में उनके प्रति भरोसे की कमी को दिखाती

है। विपक्षी दल धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र की घोषणा को अपनी जीत बता सकते हैं, लेकिन यह सीजेपी के बैनर तले आए छात्रों के दबाव का नतीजा अधिक है।

शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र के पहले प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने के साथ ही सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम को और कठोर बनाने का फैसला किया। सरकार नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के स्वजनों को मुआवजा देने समेत संसद मार्च में हिंसा के आरोपितों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने की सीजेपी की मांग पर भी सहमत हो गई।

इसके बाद सीजेपी प्रदर्शन खत्म करने को तैयार हो गई, लेकिन यदि यह समझा जा रहा है कि शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र से परीक्षा के मोर्चे पर सब कुछ ठीक हो जाएगा तो यह सही नहीं, क्योंकि पेपर लीक एक संस्थागत बीमारी है। यह बीमारी केवल प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित नहीं। अब तो शिक्षक ही पेपर लीक कराने में शामिल पाए जा रहे हैं। सब जानते हैं कि स्कूली परीक्षाओं में भी नकल होती है और इन परीक्षाओं के भी पेपर लीक किए और कराए जाते हैं। नकल एक सामाजिक बुराई बन गई है। आज जो छात्र पेपर लीक मसले पर उग्र हैं, उनमें से अनेक यह जानते होंगे कि उनके कई साथी नकल करके पास होते रहे हैं। क्या सीजेपी यह मांग करेगी कि सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के दायरे में परीक्षाओं में नकल करने और कराने वाले भी लिए जाएं या फिर इसके लिए कोई नया कानून बनाया जाए? सीजेपी के सदस्य और उनके समर्थक इससे अनजान नहीं हो सकते कि नकल कर पास होने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है? जो छात्र शुरू से धोखाधड़ी का सहारा लेकर पास होने का आदी रहा हो, वह प्रतियोगी परीक्षाओं में भी छल-कपट के सहारे पास होने की कोशिश करता है। कई बार तो अभिभावक और शिक्षक भी उनका साथ देते हैं। इसी कारण पेपर लीक का एक बाजार बन गया है। इसी बाजार के कारण पेपर लीक माफिया पैदा हो गया है, जिसमें कोचिंग चलाने वाले भी शामिल हैं। पेपर लीक माफिया परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े लोगों को पैसे देकर अपने साथ मिला लेता है। इस बार तो उन शिक्षकों ने ही नीट के पेपर लीक कराए, जिनकी जिम्मेदारी इस परीक्षा की शुचिता बनाए रखने की थी। ऐसे में कहना कठिन है कि पेपर लीक संबंधी कानून को और कठोर करने भर से समस्या का समाधान हो जाएगा। समाधान के लिए तकनीक को अपनाया जाना चाहिए। आज के युग में पुराने तौर-तरीकों से परीक्षा कराने का औचित्य नहीं। तब तो और भी नहीं, जब तकनीक सुलभ है और वह कारगर भी साबित हो रही है।

पिछले कुछ वर्षों में इतनी अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं कि उनकी गिनती करना कठिन है। चूंकि कई केंद्रीय परीक्षाओं के साथ करीब-करीब सभी राज्यों की अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, इसलिए राजनीतिक दल एक-दूसरे को कठघरे में खड़ाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री नहीं कर सकते। उन्हें यह समझना होगा कि पेपर लीक समस्या का समाधान मिलकर करना होगा। उन्हें इस पर भी ध्यान देना होगा कि पेपर लीक का एक बड़ा कारण समाज का नैतिक पतन है और इस चारित्रिक पतन के लिए वे भी जिम्मेदार हैं।

यह नैतिक पतन ही परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी समस्याओं को जन्म दे रहा है। क्या किसी सरकार या फिर राजनीतिक दलों अथवा सीजेपी के पास इस नैतिक पतन को रोकने का कोई उपाय है? यदि पेपर लीक मामले में संसद में बहस होती है तो क्या इस नैतिक पतन पर भी कोई बहस होगी? जब तक नैतिक मूल्यों के ह्रास की तरफ ध्यान नहीं जाएगा, तब तक परीक्षाओं में नकल होती रहेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर भी लीक होते रहेंगे।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन: अस्तित्व पर मंडराता खतरा

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।

भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया। जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है।

लोकतंत्र या दमन ? नीट आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई ने खड़े किए बड़े सवाल

एक लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने के नाते गर लोग सरकार की किसी कमजोरी पर सवाल उठाते हैं या अपने असंतोष को जाहिर करते हैं, तो क्या उन्हें चुप कराने के लिए पुलिस की बेलगाम सख्ती का सहारा लेने को उचित ठहराया जा सकता है? यह सवाल नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मुद्दे पर खड़े हुए आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पुलिस के रवैये के सामने आने के बाद उठा है, जिसमें यह विचार करने की जरूरत तक नहीं समझी गई कि क्या प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग आखिरी विकल्प था। अव्वल तो आंदोलनकारियों से संवाद के तकाजे को तरजीह नहीं दी गई। उसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वालों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, छात्र-छात्राओं की पिटाई की गई, उससे सरकार की मंशा और लोकतंत्र के प्रति उसके दायित्वों पर गहरे सवाल उठे हैं। इसी मुद्दे पर और जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ मुंबई में हुए एक प्रदर्शन के दौरान कुछ विद्यार्थियों को एक पुलिसकर्मी ने आपत्तिजनक और गैरकानूनी

तरीके से धमकी दी कि घर चले जाओ, नहीं तो जेब में 'पाउडर' डाल देंगे और फिर जिंदगी भर परेशान रहोगे।

सवाल है कि एक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने भर के लिए विद्यार्थियों या किसी भी व्यक्ति को पुलिस ऐसी धमकी देती है, तो उसे कैसे देखा जाएगा? क्या यह एक ऐसी हरकत नहीं है, जिसकी आखिरी चोट कानून के शासन पर ही पड़ेगी? खासतौर पर जब कानून की रक्षा का दायित्व निभाने वाला एक व्यक्ति ही बेहिचक गैरकानूनी धमकी दे रहा हो, तो इसके बाद किससे उम्मीद की जाएगी?

संभव है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकस रहना पुलिस की जिम्मेदारी के तहत जरूरी है, लेकिन अगर किसी पुलिसकर्मी की हरकत की वजह से ही कानून का शासन भंग होता हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा? नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए? इसी तरह कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों के हंगामे और पुलिसकर्मियों पर हमले को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस क्रम में एक गंभीर सवाल यह उठा है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों पर लाठी चलाने वालों में पुलिसकर्मियों के अलावा ऐसे लोग कौन थे, जिनके पुलिस होने की कोई पहचान नहीं थी। उनमें से कई साधारण लोगों की तरह थे, तो कई की वर्दी पर उनकी नामपट्टी नहीं थी। प्रदर्शनकारियों से इस तरह निपटने का आदेश पुलिस महकमे को आखिर किसने दिया था? इसमें कोई दोराय नहीं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और इसी के तहत अक्सर पुलिस को कई बार सख्त रुख अख्तियार करना पड़ता है। मगर इस जिम्मेदारी में अनिवार्य रूप से यह भी शामिल है कि सरकार की कोई भी कार्रवाई या कवायद किसी भी स्थिति में ऐसी नहीं हो सकती, जिससे लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकार कमजोर हों या उन्हें नुकसान पहुंचे। अगर सरकार अपने इस दायित्व का ध्यान नहीं रखती है, तो इसका मतलब यह है कि उसे नागरिकों के लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की फिक्र नहीं है। मगर नीट प्रश्नपत्र लीक के मसले पर विरोध प्रदर्शन करने वालों के साथ पुलिस का जैसा बर्ताव सामने आया, वैसा रवैया दर्शाकर सरकार क्या संदेश देना चाहती है?

आज झुंझुनूं आ रहे डीआरएम, रेलमंत्री के बर्थडे के बाद बढ़ी उम्मीदें

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। जयपुर रेल मंडल के डीआरएम रवि जैन यात्रियों की समस्याओं की सुनवाई के लिए सोमवार को विशेष ट्रेन से झुंझुनू रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। इस दौरान शेखावाटी रेल विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल उनका स्वागत कर विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेगा।

समिति द्वारा झुंझुनू रेलवे स्टेशन को रेलवे जंक्शन बनाने की मांग को प्राथमिकता से रखा जाएगा। इसके साथ ही रेवाड़ी-सीकर पैसेंजर ट्रेन को जयपुर तक विस्तारित करने, बांद्रा टर्मिनस-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को लोहारू तक बढ़ाने तथा दिल्ली, हरिद्वार, जोधपुर, वैष्णो देवी, कोलकाता सहित विभिन्न शहरों के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने की मांग भी उठाई जाएगी।

इसके अलावा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बने नए भवन को यात्रियों के लिए शीघ्र खोलने, नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण पूरा करने तथा स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र में वॉशरूम सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी की जाएगी।

समिति अध्यक्ष अग्रवाल ने बताया कि 18 जुलाई को झुंझुनू स्टेशन पर रेलमंत्री का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया था, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि रेलमंत्री के निजी सचिव कंदर्प वी. पटेल से बातचीत में समिति की मांगों पर चर्चा हुई है तथा जल्द ही प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली बुलाए जाने की संभावना भी जताई गई है।

राजस्थान पुलिस एसआई भर्ती की शारीरिक दक्षता परीक्षा तीन अगस्त से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान लोक सेवा आयोग आरपीएससी की ओर से आयोजित उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 के लिखित परीक्षा परिणाम के बाद भर्ती प्रक्रिया का अगला चरण शुरू होने जा रहा है। लिखित परीक्षा में सफल 20,798 अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा पीईटी 3 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक प्रदेश के आठ रेंज मुख्यालयों पर आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रवेश-पत्र जल्द जारी किए जाएंगे। उप महानिरीक्षक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड मनोज कुमार ने बताया कि आरपीएससी ने लिखित परीक्षा 5 और 6 अप्रैल 2026 को आयोजित की थी, जिसका परिणाम 19 जून 2026 को घोषित किया गया। अब पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित बोर्ड लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित करेगा। उन्होंने बताया कि पीईटी जयपुर दो परीक्षा केंद्र, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, भरतपुर, बीकानेर और अजमेर रेंज मुख्यालयों पर होगी। सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। परीक्षा के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके। मनोज कुमार ने बताया कि प्रवेश-पत्र शीघ्र जारी किए जाएंगे, जिन्हें अभ्यर्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रवेश-पत्र के साथ फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह दी कि वे महानिदेशक पुलिस, राजस्थान के स्थायी आदेश संख्या-10/2025 में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं शारीरिक दक्षता मानकों के अनुरूप तैयारी करें। पुलिस भर्ती बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी। शारीरिक दक्षता परीक्षा से संबंधित सभी सूचनाएं राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट तथा प्रमुख समाचार पत्रों के माध्यम से जारी की जाएंगी। अभ्यर्थियों से नियमित रूप से राजस्थान पुलिस की वेबसाइट का अवलोकन करते रहने की अपील की गई है।

एन.सी.सी. नामांकन 16 अगस्त को

निसं

नोखा (नवयत्न)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय महाविद्यालय, नोखा में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) के सीनियर डिवीजन (बालक) एवं सीनियर विंग (बालिका) के लिए सत्र 2026-27 का नामांकन 16 अगस्त को प्रात: 8 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणवीर सिंह ने बताया कि एन.सी.सी. में प्रवेश के इच्छुक नियमित छात्र-छात्राओं को निर्धारित आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित 13 अगस्त 2026 तक महाविद्यालय के कक्ष संख्या 06 की खिड़की में जमा कराना अनिवार्य होगा। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। नामांकन के समय अभ्यर्थियों को स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ मूल दस्तावेज भी सत्यापन हेतु प्रस्तुत करने होंगे। चयन प्रक्रिया में शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक दक्षता, दस्तावेज सत्यापन एवं साक्षात्कार के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र एवं इच्छुक छात्र-छात्राओं से समय पर आवेदन प्रस्तुत कर निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नामांकन प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया है।

अजमीढ़ मन्दिर का स्थापना दिवस 31 को

बुगाला (नवयत्न)। महाराजा अजमीढ़ देव मन्दिर का 17 वां स्थापना दिवस 31 जुलाई को अजमीढ़ धाम (जीणमाता) में मनाया जाएगा। महाराजा अजमीढ़ स्मृति जन कल्याण संस्थान अध्यक्ष प्रभुदयाल डांवर, संरक्षक नरेश नारनोली व कोषाध्यक्ष विनोद सुनालिया बाघोली वाले ने बताया कि 30 जुलाई को रात्रि भजन संध्या होगी जिसमें समाज के अनेक स्थानों से आए कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। 31 जुलाई को सुबह सवा 8 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी जो गाजे बाजे के साथ जगदम्बा धर्मशाला जीणमाता से अजमीढ़ धाम आएगी। मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा होंगे।

भोलेनाथ के प्रिय सावन माह में श्रद्धा ही सबसे बड़ा अभिषेक : सुरेंद्र नामदेव

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। गुरूवार 30 जुलाई से शुरू हो रहे सावन माह में घर-घर और मंदिरों में भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना का सिलसिला शुरू हो जायेगा। भगवान शिव का सावन प्रिय मास माना जाता है। ज्योतिषाचार्य सुरेंद्र नामदेव ने बताया कि सनातन धर्म में भगवान शिव को भोलेनाथ, आशुतोष और भंडारी कहा जाता है। आशुतोष अर्थात जो अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा से बहुत शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। भगवान शिव वैभव या दिखावे के नहीं बल्कि निष्कपट भक्ति और पवित्र मन के देवता हैं। यही कारण है कि उन्हें देवाधिदेव महादेव कहा जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि इस पूरे मास में भगवान शिव की उपासना करने से जीवन के अनेक कष्ट, रोग, भय और बाधाएँ दूर होती हैं तथा सुख, शांति, समृद्धि और मनोकामनाओं की प्राप्ति होती है। नामदेव ने बताया कि भगवान शिव इतने सरल और दयालु हैं कि उन्हें प्रसन्न करने के लिए किसी बड़े वैभव की आवश्यकता नहीं होती। एक लोटा शुद्ध जल, कुछ बेलपत्र, धतूरे का फल, आक के पुष्प और सच्चे मन से स्मरण किया गया ओम नम: शिवाय मंत्र ही उन्हें प्रिय है। भक्त का प्रेम और विश्वास ही उनके लिए सबसे बड़ा उपहार माना गया है। सुरेंद्र नामदेव के अनुसार यदि कोई व्यक्ति पूरे सावन में प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक शिवलिंग पर जल अर्पित करे, पंचाक्षरी मंत्र ओम नम: शिवाय का जप करे तथा अपने आचरण में सत्य, सेवा और संयम अपनाए तो भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। शिव केवल धन-संपत्ति ही नहीं बल्कि मानसिक शांति, उत्तम स्वास्थ्य, पारिवारिक सुख और आध्यात्मिक उन्नति का भी आशीर्वाद प्रदान करते हैं। भगवान शिव का स्वरूप हमें यह संदेश देता है कि जीवन में सादगी, त्याग, करुणा, क्षमा और संतोष ही सबसे बड़ा धन है। वे श्मशान में रहने वाले, भस्म धारण करने वाले और सभी प्राणियों पर समान कृपा रखने वाले ऐसे देव हैं, जो अमीर-गरीब या जाति-पांति का भेद नहीं करते। जो भी सच्चे मन से उन्हें पुकारता है, वे उसकी प्रार्थना अवश्य सुनते हैं।

इस पावन सावन में प्रत्येक शिवभक्त को केवल पूजा ही नहीं बल्कि सेवा, दान, सदाचार, माता-पिता का सम्मान, गौ सेवा और जरूरतमंदों की सहायता जैसे पुण्य कार्य भी करने चाहिए। यही भगवान भोलेनाथ की सच्ची आराधना है और यही धर्म का वास्तविक स्वरूप है।

एसडीएम ने किया एनएच-62 पर ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा एसडीएम निधि उडसरिया ने नेशनल हाईवे-62 पर नागौर-नोखा-बीकानेर बाइपास के दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नेशनल हाईवे अथॉरिटी और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम ने बताया कि नोखा से गुजरने वाले नेशन् हाईवे-62 पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं क रोकने के लिए यातायात पुलिस और पीडब्ल्यूडी के सहयोग से ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर होंगे ये सुरक्षा उपाय

निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने ब्लैक स्पॉट्स पर व्यापक प्रकाश व्यवस्था, सड़क चौड़ीकरण, स्पीड ब्रेकर, स्पीड टेबल और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने पर सहमति जताई। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर सख्ती बरतने के निर्देश भी दिए गए।

झाड़ियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने के निर्देश

एसडीएम ने चरकड़ा चौकी से नोखा बाइपास तक सड़क किनारे उगी झाड़ियों और जंगल की सफाई कराने, प्रजापति स्टोर के सामने सड़क का शोल्डर दुरुस्त कराने, सड़क सीमा में अतिक्रमण हटाने और मार्ग पर अनधिकृत ट्रक व अन्य वाहनों की पार्किंग रोकने के निर्देश दिए। इसके अलावा रोड़ा और कवलीसर भूप के बीच दिशा संकेतक लगाने और जंगल की सफाई कराने के निर्देश दिए गए। हियादेसर फांटा-भामटसर मार्ग पर एप्रोच रोड पर स्पीड ब्रेकर, स्थानीय भाषा में चेतावनी संकेतक, बैरिकेड लगाने और क्षतिग्रस्त आईलैंड की मरम्मत कराने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए गए। एसडीएम ने कहा कि जिन स्थानों पर बार-बार हादसे हो रहे हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा कार्य कराए जाएंगे ताकि आमजन की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सके। सभी संबंधित विभागों को चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर काम जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण की मांग को लेकर 9 अगस्त को स्वर्ण पंचायत में जुटेंगे विप्रबंधु

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। पुराने बस स्टैंड स्थित जोशी भवन में विप्र फाउंडेशन की बैठक संरक्षक राजेंद्र जोशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनावों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा ईडब्ल्यूएस आयोग के गठन की मांग को लेकर झुंझुनू जिले से बड़ी संख्या में विप्रबंधु 9 अगस्त को जयपुर के सूर्य सिटी मैदान में आयोजित स्वर्ण पंचायत में भाग लेंगे। जिला संयोजक उमाशंकर महमिया ने बताया कि इसके लिए जिलेभर में जनसंपर्क अभियान चलाकर अधिकाधिक समाजबंधुओं से जयपुर पहुंचने का आह्वान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस के अधिकारों को लेकर जिले में सबसे पहले विप्र फाउंडेशन ने संगठित रूप से आंदोलन शुरू किया था तथा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम जिला कलक्टर के माध्यम से ज्ञापन भी भेजा गया था।

संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया ने बताया कि जिला अध्यक्ष कमलकांत शर्मा एवं जिला संयोजक उमाशंकर महमिया के नेतृत्व में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। जयपुर में आयोजित महापंचायत में ब्राह्मण, राजपूत, वैश्य सहित सर्व समाज के प्रतिनिधि ईडब्ल्यूएस के अधिकारों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर आगे की रणनीति तय करेंगे। बैठक में संरक्षक एडवोकेट सुशील कुमार जोशी, महामंत्री वशिष्ठ कुमार शर्मा, मंत्री एडवोकेट नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश सहल, गोपीराम पुरोहित, अमृत जोशी, गिरधर गोपाल बावलिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

मैं फेमीदा बानो पत्नी साजीद जाति व्यापारी मुसलमान निवासी वार्ड संख्या 3 आथुना मोहल्ला रामगढ़ तहसील रामगढ़ जिला सीकर (राज.)। मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम फेमीदा (FEMIDA) दर्ज है जबकि मेरा सही नाम फेमीदा बानो (FEMIDA BANO) है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें व मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में भी दुरूस्त करें।

सुंदर और कलात्मक हवेलियों के बावजूद बिसाऊ का नाम पर्यटन नक्शे में दर्ज नहीं

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। बिसाऊ में नेताओं के द्वारा प्रयास नहीं करने के कारण पर्यटन मानचित्र पर बिसाऊ का नाम दर्ज नहीं है। जबकि यहां पर मंडावा और रामगढ़ शेखावाटी की हवेलियां से भी सुंदर और कलात्मक हवेलियां बनी हुई हैं। संरक्षण के अभाव में एक हवेली जर्जर हाल में है। उसके भित्ति चित्र आज भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। मई में जिले के दौरे पर आई डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने जिले के गांव कस्बों में स्थित प्राचीन हवेलियों को संरक्षण देने के लिए अधिकारियों को सूची बनाने के निर्देश दिए थे। उस वक्त बिसाऊ के जनप्रतिनिधि यहां की हवेलियों व गढ़ आदि के बारे में अधिकारियों तक आवाज पहुंचाते तो शायद लिस्ट में बिसाऊ का नाम दर्ज होता लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कस्बेवासियों का कहना है कि अब भी हवेली संरक्षण की मुहिम छेड़ी हुई है। अगर सामूहिक प्रयास

किया जाय तो शायद इसका फायदा बिसाऊ को मिल सकता है। कस्बे में भव्य गढ़, सिंगतियों व झुंझुनूंवालों की हवेलियां, छतरियां व भारत में प्रसिद्ध शिव प्रतिमा है। अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण इनका संरक्षण अभियान अधूरा है।

ग्रामीणों ने देखा प्रधानमंत्री की मन की बात का लाइव प्रसारण

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। रविवार को चुड़ैला में पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़ के साथ ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 161वां लाइव प्रसारण देखा। इस मौके पर ग्रामीणों ने रोहिडा बस स्टैंड पर चुडैला ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने धर्मपाल भालोठिया के नेतृत्व में फलों से तोल कर और साफा पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार, राजेंद्र ठेकेदार, महेंद्र धायल, महावीर ढाका, मुकेश दूत, सतीश पूनिया, रघुवीर कड़वासरा, पूर्व सरपंच सुरेश, सुरेश खीदरसर, ओमप्रकाश खराडिया, महेश सिंह शेखावत मंडल महामंत्री सहित काफी ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत सैनीनगर
पंचायत समिति नवलगढ़
जिला झुन्झुनूं (राज.)

क्रमांक:- ग्रा.प./SBM/2026-27/130 दिनांक:- 24/07/2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सैनीनगर पंचायत समिति नवलगढ़ के अधिनस्थ ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामों में आगामी एक वर्ष के लिए घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक श्रम विभाग एवं जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से दर अनुबन्ध हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म /शर्ते कार्यालय एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc,rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।
NIB NO. ZJU2627A0464
UBN NO. ZJU2627SSRC00883
Tender id :- 2026_PRD_577553_1

प्रशासक, ग्राम पंचायत सैनीनगर, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सैनीनगर, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

कार्यालय ग्राम पंचायत बिरोल
पंचायत समिति नवलगढ़
जिला झुन्झुनूं (राज.)

क्रमांक:- ग्रा.प./SBM/2026-27/37 दिनांक:- 22/07/2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बिरोल पंचायत समिति नवलगढ़ के अधिनस्थ ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामों में आगामी एक वर्ष के लिए घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक श्रम विभाग एवं जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से दर अनुबन्ध हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म /शर्ते कार्यालय एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc,rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।
NIB NO. ZJU2627A0435
UBN NO. ZJU2627SSRC00846
Tender id :- 2026_PRD_577546_1

प्रशासक, ग्राम पंचायत बिरोल, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बिरोल, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

आम सूचना

Au Small finance bank शाखा सरदारशहर द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भंवरी पत्नी जगदीश प्रसाद नाई निवासी ग्राम सावर, भानीपुरा, जिला चूरू अपनी आवासीय जायदाद तादादी 399 ||= दरगज वाके ग्राम सावर, तहसील भानीपुरा, जिला चूरू जो की जरिये गिफ्ट पत्र डीड दिनांकित 03.03.2022 को लिछमा पत्नी चंदुराम नाई ने प्रार्थी के पक्ष में गिफ्ट शुदा है। उक्त सम्पति का पट्टा ग्राम पंचायत जैतसीसर द्वारा पट्टा नंबर 22, मिशल नंबर 32 खियाराम पुत्र गोपालाराम नाई के पक्ष में दिनांकित 31.01.1964 का जारी शुदा है व उक्त पट्टे का पंजीकरण 03.03.2022 का है। उक्त जायदाद को प्रार्थी Au Small finance bank शाखा सरदारशहर में रहन रख कर वित्तीय सहायता प्राप्त करना चाहती है। अत: सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति संबंधित किसी बैंक वित्तीय संस्थान या किसी व्यक्ति विशेष को कोई उज्र आपत्ति या उक्त संपत्ति के स्वामित्व संबंधित कोई वाद विवाद हो तो अगले 07 दिवस में Au small finance bank शाखा सरदारशहर के ब्रांच मैनेजर अथवा ब्रांच अधिवक्ता भरत व्यास एडवोकेट को लिखित में सूचना दें बाद गुजरे मियाद दी गई आपत्ति अमान्य समझी जाएगी।

भरत व्यास एडवोकेट, मो. 7877480007, 7877470007

कार्यालय ग्राम पंचायत नवलड़ी
पंचायत समिति नवलगढ़
जिला झुन्झुनूं (राज.)

क्रमांक:- ग्रा.प./SBM/2026-27/144 दिनांक:- 23/07/2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नवलड़ी की ढाणी पंचायत समिति नवलगढ़ के अधिनस्थ ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामों में आगामी एक वर्ष के लिए घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक श्रम विभाग एवं जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से दर अनुबन्ध हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म /शर्ते कार्यालय एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc,rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।
NIB NO. ZJU2627A0465
UBN NO. ZJU2627SSRC00884
Tender id :- 2026_PRD_577551_1

प्रशासक, ग्राम पंचायत नवलड़ी, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत नवलड़ी, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

कार्यालय ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी
पंचायत समिति नवलगढ़
जिला झुन्झुनूं (राज.)

क्रमांक:- ग्रा.प./SBM/2026-27/36 दिनांक:- 22/07/2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी पंचायत समिति नवलगढ़ के अधिनस्थ ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामों में आगामी एक वर्ष के लिए घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छुक श्रम विभाग एवं जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओं/फर्मों से दर अनुबन्ध हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म /शर्ते कार्यालय एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc,rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है।
NIB NO. ZJU2627A0441
UBN NO. ZJU2627SSRC00852
Tender id :- 2026_PRD_577543_1

प्रशासक, ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बागोरिया की ढाणी, पं.स. नवलगढ़ (झुंझुनू)

ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए ट्राई करें बेसन के ये फेस पैक, मिलेगी खूबसूरत त्वचा

बेसन त्वचा की कई समस्याओं को दूर कर सकता है। आप ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए बेसन के ये 3 फेस पैक ट्राई कर सकते हैं। ऑयली स्किन की देखभाल करना काफी मुश्किल होता है। जिन लोगों की ऑयली स्किन होती है, उन्हें अक्सर कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तैलीय त्वचा पर मुंहासे, ब्लैकहेड्स और पिंपल्स की समस्या ज्यादा होती है। ऐसे में, ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए कुछ लोग महंगे फेस वॉश यूज करते हैं, तो कुछ लोग फेस पैक लगाते हैं। लेकिन इनसे भी चेहरे का चिपचिपापन खत्म नहीं हो पाता है। ऐसे में आप ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए बेसन का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी हां, ऑयली स्किन वाले के लिए बेसन बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। दही लगाने से चेहरे का अतिरिक्त तेल सोखने में मदद मलिती है। इसके साथ ही, बेसन में एंटी-इन्फ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं, जो त्वचा को कई लाभ प्रदान करते हैं। बेसन त्वचा के कील-मुंहासों और दाग-धब्बों को भी दूर करता है। चेहरे पर बेसन लगाने से त्वचा की रंगत में निखार आता है।

बेसन और हल्दी का फेस पैक

बेसन और हल्दी का फेस पैक ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। त्वचा पर हल्दी का प्रयोग करने से मुंहासों और ब्लैकहेड्स की समस्या दूर होती है। हल्दी त्वचा की सूजन को दूर करने में भी लाभकारी होती है। ऑयली स्किन से छुटकारा पाने के लिए आप बेसन और हल्दी को मिक्स करके लगा सकते हैं। इसके लिए आप दो चम्मच बेसन लें। इसमें चुटकीभर हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट के बाद साफ पानी से धो दें।

बेसन और दही का फेस पैक

त्वचा के लिए दही बहुत फायदेमंद होता है। दही में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा को संक्रमण से बचाते हैं। दही में लैक्टिक एसिड पाया जाता है, जो त्वचा की रंगत को सुधारने में मदद करता है। बेसन और दही का फेस पैक लगाने से त्वचा पर अतिरिक्त तेल के उत्पादन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही, यह मुंहासों और दाग-धब्बों को भी साफ करता है। इसके लिए आप एक कटोरी में दो चम्मच बेसन लें। इसमें दो चम्मच दही मिलाएं और पेस्ट तैयार कर लें। इसे अपने चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को पानी से धो लें।

बेसन और नींबू का फेस पैक

नींबू में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है। नींबू के इस्तेमाल से डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद मिलती है। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो आप बेसन और नींबू का फेस पैक लगा सकते हैं। यह त्वचा के चिपचिपेपन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, इसे लगाने से चेहरे के मुहांसों और ब्लैकहेड्स से भी छुटकारा मिलता है। इसके लिए आप दो चम्मच बेसन में एक चम्मच नींबू का रस मिला लें। इसमें थोड़ा सा पानी मिलाएं और गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस फेस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद पानी से धो लें। आप इसका इस्तेमाल हफ्ते में 2-3 बार कर सकते हैं। इससे आपको फ्रेश और ग्लोइंग स्किन मिलेगी।

शहद में मिलाकर चेहरे पर लगाएं ये चीजें

शहद का उपयोग सदियों से औषधि के तौर पर किया जाता रहा है। शहद खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। शहद का उपयोग त्वचा और बालों के लिए भी किया जाता है। शहद में विटामिन, अमीनो एसिड, प्रोटीन और मिनरल्स मौजूद होते हैं। इसके अलावा, शहद में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आप अपनी स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए शहद का उपयोग कर सकते हैं। शहद त्वचा के कील-मुहांसों को दूर करने, दाग-धब्बों को मिटाने और पिगमेंटेशन को हटाने का काम करता है। चेहरे पर शहद लगाने से त्वचा की रंगत में भी सुधार होता है। शहद में मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं, इसलिए आज त्वचा में नमी को लॉक करने में भी मददगार है।

शहद और दूध : आप शहद में दूध मिलाकर अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। दूध में लैक्टिक एसिड मौजूद होता है, जो स्किन

के दाग-धब्बों को साफ़ करने में बहुत लाभकारी है। शहद और दूध का कॉम्बिनेशन त्वचा के लिए नैचुरल क्लींजर का काम करता है। यह त्वचा को क्लीन और मॉइश्चराइज करने में मदद करता है। इसके लिए आप दो चम्मच शहद में दो चम्मच दूध मिलाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ मिनट तक सर्कुलर मोशन में मसाज करें। 15 मिनट बाद चेहरे को ताजे पानी से धो लें।

शहद और केला : आप अपने चेहरे पर शहद में केला मिलाकर भी लगा सकते हैं। इसके लिए एक पके केले को मैश कर लें। शहद और केले का मिश्रण त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। यह त्वचा के पिंपल्स, झुर्रियों और डार्क स्पॉट्स को दूर करने में मदद करता है। इसे लगाने से त्वचा की रंगत में भी सुधार आता है। इसमें एक चम्मच शहद मिलाएं और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगा लें। 15-20 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। आप इसका इस्तेमाल हफ्ते में 2-3 बार कर सकते हैं।

शहद और गुलाब जल : आप शहद में गुलाब जल मिक्स करके भी अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। गुलाब जल त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ डेड स्किन सेल्स को साफ करता है। इसे लगाने से स्किन से एक्ने, दाग-धब्बे और डार्क स्पॉट्स से भी छुटकारा मिलेगा। इसके लिए आप एक चम्मच शहद में दो चम्मच गुलाब जल मिला लें। फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें। फिर पानी से चेहरा धो लें। इससे आपकी त्वचा में निखार आएगा।

शहद और दही : चेहरे पर आप शहद को दही के साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इसके लिए आप 1 चम्मच शहद को 2 चम्मच दही के साथ मिलाएं। इसका एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट तक लगा रहने दें। उसके बाद चेहरे को पानी से धो लें। यह स्किन के पिंपल्स, झुर्रियों और टैनिंग से छुटकारा मिल सकता है। इससे स्किन की ड्राईनेस दूर करने में भी मदद मिलेगी। इसके नियमित इस्तेमाल से आपकी त्वचा में नैचुरल ग्लो आएगा।

चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों को हटाने के लिए करें इन फेस पैक का इस्तेमाल

चेहरे पर मौजूद अनचाहे बाल महिलाओं की सबसे बड़ी समस्या होते हैं। अनचाहे बालों की वजह से आपकी खूबसूरती पर भी प्रभाव पड़ता है। चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों को हटाने के लिए लोग तमाम तरह के उपाय अपनाते हैं। आज के समय में मार्केट में भी कई ऐसे प्रोडक्ट्स मिल जाएंगे जिनका इस्तेमाल करने से चेहरे पर मौजूद अनचाहे बाल हट जाते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स में केमिकल का इस्तेमाल होने के कारण स्किन के लिए बहुत नुकसानदायक माने जाते हैं।

इसके अलावा इन प्रोडक्ट्स की कीमत भी हजारों रूपए में होती है। महिलाएं थ्रेडिंग, वैक्सिंग और फेसिअल हेयर रिमूवल क्रीम आदि की सहायता से चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों को हटवाती हैं। चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों को हटाने के लिए इन चीजों का इस्तेमाल कई बार स्किन के लिए नुकसानदायक हो जाता है। ऐसे में स्किन को गंभीर नुकसान से बचाने के लिए आप कुछ ऐसे फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

चने के आटे का फेस पैक : चने के आटे या बेसन से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर आप चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकते हैं। इस मास्क को तैयार करने के लिए सबसे पहले आप आधा कप चने का आटा लें। इसमें एक चम्मच हल्दी पाउडर, एक चम्मच क्रीम, आधा कप दूध मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद चहरे पर

अच्छी तरह से इसे अप्लाई करें। लगभग 20 से 30 मिनट लगा रहने दें और फिर सूख जाने पर बालों के उल्टी दिशा में इसे धीरे-धीरे हटाएं। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

हल्दी और पपीता पैक : हल्दी और पपीते से बना फेस मास्क भी चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों को हटाने में बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक चम्मच हल्दी पाउडर लें और इसमें पपीते के कुछ टुकड़ों को मैश करके मिला लें। इस पेस्ट में एलोवेरा जेल भी डाल दें। इसके बाद अनचाहे बालों की जगह पर इसे लगाकर छोड़ दें। इसके बाद इसे उल्टी दिशा में उतार लें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरे को साफ कर लें।

मेथी और हरे चने का फेस पैक : चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों को हटाने के लिए मेथी दानें और हरे चने से बना फेस मास्क बहुत फायदेमंद होता है। मेथी और हरे चने के पाउडर का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक चम्मच मेथी दाना और 1 चम्मच हरे चने को अच्छी तरह से पीस लें। इसके बाद अच्छे से इसे मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को बालों की जगह पर लगाकर सूखने के लिए छोड़ दें। सूख जाने के बाद इसे सूती कपडे से उल्टी दिशा में साफ कर लें। चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

रातभर दूध में भिगोकर रखें किशमिश सुबह खाने से मिलेंगे कई फायदे

आपने अक्सर लोगों को दूध के साथ ड्राई फ्रूट्स का सेवन करते देखा होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि दूध के साथ जब आप ड्राई फ्रूट्स का सेवन करते हैं तो यह पचने में आसान हो जाते हैं साथ ही इनकी गुण भी बढ़ जाते हैं। साथ ही आपको दोनों के ही लाभ एक साथ मिल जाते हैं। दूध और किशमिश का सेवन साथ में सेवन भी बहुत आम है। हम में से ज्यादातर लोग इसका सेवन करते हैं। यह कॉम्बिनेशन कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होता है, साथ ही कई शारीरिक समस्याओं से बचाव और उनसे राहत पाने में मदद करता है। कुछ लोग दूध में डालकर, तो कुछ उबालकर इसका सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, दोनों के स्वास्थ्य लाभों को प्राप्त करने का एक अन्य प्रभावी और कारगर तरीका भी है? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! आप किशमिश को दूध में 7-8 घंटे भिगोकर भी इसका सेवन कर सकते हैं। पानी में किशमिश भिगोकर तो बहुत से लोग सेवन करते हैं, इसी तरह दूध में भी किशमिश भिगोकर खाई जाती है। दूध कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन डी, बी और कई अन्य जरूर पोषक तत्वों का एक बेहतरीन स्रोत है।

वहीं किशमिश डाइट्री फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर आदि से भरपूर होती है। जब आप किशमिश को दूध में भिगोते हैं, तो इससे उनमें मौजूद एंटी-न्यूट्रिएंट्स नष्ट हो जाते है, साथ ही दूध में मौजूद पोषण भी अवशोषित हो जाता है।

खून की कमी नहीं होती है

जिन लोगों के शरीर में खून की कमी है, अगर वे रोजाना दूध में भीगी किशमिश खाते हैं, तो इससे खून की कमी जल्द दूर होगी। किशमिश आयरन से भरपूर होती हैं, जिससे इनका सेवन करने रक्त में ऑक्सीजन बढ़ती है और लाल रक्त कोशिकाओं की वृद्धि होती है।

पेट साफ करने में होती है आसानी

जिन लोगों को सुबह कब्ज की समस्या रहती है और सुबह मल त्याग ठीक से नहीं होता है, अगर वे सुबह दूध में भीगी किशमिश खाते हैं तो उनकी बाउल मूवमेंट में सुधार होगा और पेट अच्छी तरह साफ होगा।

पेट संबंधी समस्याएं दूर रहेंगी

फाइबर से भरपूर होने की वजह से किशमिश स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देती है। जिससे आप पेट में गैस, कब्ज, ब्लोटिंग, मतली आदि जैसी समस्याओं की चपेट में नहीं आते हैं।ओ

ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है

दूध में भीगी किशमिश खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में मदद मिलती है। अगर आप नियमित इसका सेवन करते हैं, तो इससे हृदय रोगों का जोखिम भी कम होता है।

हड्डियां और मांसपेशियां रहती हैं स्वस्थ

कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर आदि से भरपूर यह कॉम्बिनेशन हड्डियों और मांसपेशियों की ताकत बढ़ाने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। इसके नियमित सेवन से आपको जोडों और मांसपेशियों के दर्द में बहुत लाभ मिलेगा।

पुरूषों में आयरन की कमी को दूर करने के लिए ये उपाय

आमतौर पर, यह माना जाता है कि आयरन की कमी महिलाओं में ही होती है। यकीनन प्रसव के बाद होने वाली ब्लीडिंग और आहार में पोषक तत्व की कमी के कारण महिलाओं में यह समस्या होती है। लेकिन पुरूष भी इस समस्या से अनछुए नहीं हैं। ऐसे कई पुरूष होते हैं, जिन्हें आयरन की कमी की समस्या का सामना करना पड़ता है। लेकिन उन्हें इसका पता ही नहीं चलता।

आयरन की कमी के लक्षण

- हमेशा थका हुआ और कमजोर महसूस करना।
- सांस फूलना।
- कमजोर याददाश्त व ध्यान एकाग्र करने में समस्या होना।
- काम पर प्रदर्शन में गिरावट आना।
- बार-बार संक्रमण होना।
- कामेच्छा में कमी (सेक्स ड्राइव)।

आयरन की कमी के कारण है

- पर्याप्त मात्रा में आयरन रिच फूड ना खाने से समस्या हो सकती है। आपका शरीर आयरन को स्टोर कर सकता है लेकिन इसे बना नहीं सकता। इसलिए अगर आहार में आयरन कम होता है तो इससे शरीर में आयरन की कमी हो सकती है।
- कई बार आयरन रिच फूड लेने के बाद भी उसे शरीर में अवशोषित करने में परेशानी होती है। गलत फूड कॉम्बिनेशन या फिर कुछ स्वास्थ्य स्थितियों के कारण शरीर आयरन को अब्जॉर्ब नहीं कर पाता है।
- कभी गंभीर चोट लग जाने के कारण अगर बहुत अधिक रक्त बह जाता है, तो भी शरीर में आयरन कम हो जाता है।

आयरन की कमी का इलाज करना

- आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ अधिक खाएं।
- आयरन को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में आपकी मदद करने के लिए विटामिन सी युक्त अधिक खाद्य पदार्थ खाएं।
- आयरन के साथ कैल्शियम रिच फूड ना खाएं। इससे शरीर में आयरन अवशोषित नहीं हो पाता है।
- शरीर में आयरन की कमी हो दूर करने के लिए डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट्स या लिक्विड का इस्तेमाल करें।
- यदि आप आयरन सप्लीमेंट लेते हैं, तो आपको उन्हें कई महीनों तक और संभवत: अधिक समय तक लेने की आवश्यकता होगी। इसलिए, डॉक्टर से इस विषय में विस्तृत चर्चा करें।

बालों पर इन तरीकों से लगाएं चावल का पानी, बढ़ेगी चमक-खूबसूरती

चावल का सेवन हम सभी करते हैं। जब चावल बनाए जाते हैं, तो पहले इन्हें धोया जाता है। कुछ लोग चावल को थोड़ी देर के लिए भिगोकर भी रखते हैं। फिर इसके पानी को फेंक देते हैं, लेकिन अगर आप इस पानी को फेंकने के बजाय अपने बालों पर अप्लाई करेंगे, तो इससे आपके बालों की खूबसूरती बढ़ेगी। साथ ही बाल चमकदार, मुलायम और घने भी नजर आने लगेंगे। दरअसल, चावल में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ऐसे में इसके पानी को बालों पर लगाने से कई फायदे मिल सकते हैं।

भिगोएं हुए चावल का पानी लगाएं

आप चावल को पानी में डालकर अपने बालों पर अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले 2-3 कप चावल लें। इसे अपने 30-45 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब पानी को छान लें और इसे अपने बालों पर लगा लें। आप चाहें तो इससे अपने बालों को धो भी सकते हैं। कुछ दिनों तक लगातार इसे अपने बालों पर लगाएं, इससे आपके बालों की खूबसूरत बढ़ेगी।

उबले हुए चावल का पानी लगाएं

आप सिर्फ भिगोए हुए चावल का पानी ही नहीं, बल्कि उबले हुए चावल के पानी को भी अपने बालों पर अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आप एक बर्तन में पानी और चावल डालें। अब इसे अच्छी तरह से उबालें और फिर छानकर पानी को अलग कर लें। अब इस पानी को थोड़ा ठंडा होने दें और फिर अपने बालों पर लगाएं। इससे आपके बालों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही बालों की ग्रोथ होगी, स्कैल्प भी हेल्दी रहेगा।

चावल का पानी और एलोवेरा

आप चावल के पानी में एलोवेरा मिक्स करके भी अपने बालों पर लगा सकते हैं। इसके लिए आप चावल का पानी लें। इसमें एललोवेरा जैल डालें और दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस हेयर मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। सप्ताह में 2-3 बार चावल का पानी और एलोवेरा हेयर मास्क लगाने से बालों की शाइन और चमक बढ़ेगी। साथ ही डैंड्रफ से भी छुटकारा मिलेगा।

चावल का पानी और गुलाब के फूल

आप चाहें तो चावल के पानी में गुलाब के फूलों को मिलाकर भी अपने बालों पर अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आप चावल का पानी लें, इसमें कुछ गुलाब के फूल डालें। कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें और फिर अपने बालों पर लगा लें। आधे घंटे बाद बालों को ताजे पानी से धो लें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी। साथ ही बालों की ग्रोथ होगी और बाल मुलायम-खूबसूरत बनेंगे।

परीक्षा में ज्यादा तनाव में आ जाते हैं बच्चे, एग्जाम स्ट्रेस दूर करने के ये उपाय

परीक्षा का समय बच्चों के लिए सबसे ज्यादा तनाव वाला होता है। कोर्स कंप्लीट करने और बेहतर प्रदर्शन के दबाव में कुछ बच्चे बहुत अधिक प्रेशर लेने लगते हैं। इस कारण से बच्चे अक्सर तनाव का शिकार हो जाते हैं। एग्जाम स्ट्रेस के कारण बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। कुछ बच्चों में एग्जाम का तनाव इतना ज्यादा हावी हो जाता है कि वे पढ़ाई पर भी ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। इसकी वजह से वे परीक्षा में बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते हैं और रिजल्ट खराब आता है। ऐसे में बतौर अभिभावक, आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि आप अपने बच्चे को तनाव से दूर रखने में उसकी मदद करें। अगर आपका बच्चा भी परीक्षा के तनाव से जूझ रहा है, तो आप कुछ टिप्स की मदद से उसकी सहायता कर सकते हैं।

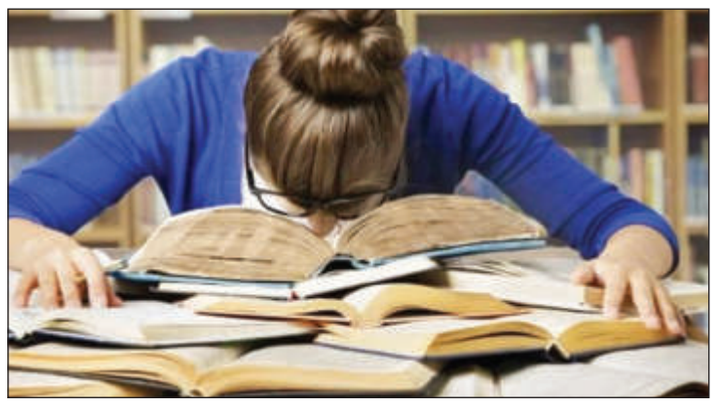

बच्चे पर दबाव न बनाएं : कई माता-पिता अपने बच्चे पर पढ़ाई के लिए बहुत अधिक दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इस दबाव की वजह से भी बच्चे तनाव का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि आप बच्चे पर पढ़ाई या रिजल्ट को लेकर अत्यधिक दबाव न बनाएं। आपको अपने बच्चे के प्रति विश्वास जाहिर करना चाहिए, ताकि उसे प्रोत्साहन मिल सके।

घर पर सकारात्मक माहौल बनाएं : परीक्षा के दौरान बच्चे पहले ही पढ़ाई के लेकर चिंतित रहते हैं। वहीं, घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे उनका तनाव बढ़ जाता है। इसलिए, यह जरूरी है कि आप घर पर सकारात्मक माहौल बनाएं। इसके लिए बच्चे से हरदम सिर्फ पढ़ाई की ही बात ही ना करें। उसे पढ़ाई करने के लिए मोटिवेट करें, न कि डाटें।

बच्चे से बात करें : अगर आपका बच्चा परीक्षा के कारण तनाव में है, तो उससे बात करें। पेरेंट्स को बच्चे के लिए सपोर्ट सिस्टम की तरह होना चाहिए। अगर आपका बच्चा स्ट्रेस या डरा हुआ है, तो उसे समझाएं कि यह एक बेहद सामान्य सामान्य है। आपको बच्चे से बात करके परीक्षा के तनाव को मैनेज करने में उसकी मदद करनी चाहिए।

खानपान पर ध्यान दें : परीक्षा के दौरान अपने बच्चे को स्ट्रेस फ्री रखने के लिए उसके खानपान पर भी विशेष ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि बच्चे की डाइट में ताजी और हरी सब्जियां, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध आदि शामिल हों। पौष्टिक और स्वस्थ आहार लेने से बच्चे को ऊर्जा मिलेगी और उसकी एकाग्रता में भी सुधार होगा।

ब्रेक लेने के लिए कहें : पढ़ाई के दौरान ब्रेक भी जरूरी है। लगातार पढ़ाई करने से शरीर और दिमाग थक जाता है। बच्चे को पढ़ाई के बीच में छोटे ब्रेक लेने के लिए कहें। अगर बच्चा एग्जाम में लेकर ज्यादा तनाव में है, तो आप ब्रेक के दौरान उसके साथ म्यूजिक सुन सकते हैं या रिलैक्सेशन एक्टिविटीज कर सकते हैं। इससे उसका मूड फ्रेश रहेगा और स्ट्रेस भी दूर होगा।

राहुल बोले-स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया

शाह को चिट्ठी लिखी; सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

नई दिल्ली।

राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की।

राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्रांतिकारी जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं।

इनमें पेपर लीक मामलों में 10 साल की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने, नया नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाने और नियुक्तियों की स्वतंत्रता के बारे में कहा गया।

होर्मुज में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया

जहाज में आग लगी, जंग शुरू होने के बाद पहला ऐसा हादसा

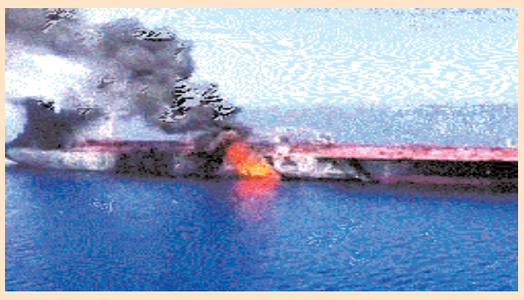

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह टैंकर तेहरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से अलग रास्ते से जा रहा था, जिसके बाद वह बारूदी सुरंग से टकरा गया।

ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए मार्ग से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। फिलहाल इस घटना पर ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नुकसान या हताहतों को लेकर भी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है कि इस तरह कोई जहाज समुद्री नेवल माइन से टकराया हो। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने यह समुद्री माइन बिछाई थी, जिसे सीजफायर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हटाने का आदेश दिया था।

बड़े अपडेट्स

1. हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब की रिफाइनरी पर हमला: हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको रिफाइनरी पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान रिफाइनरी को सऊदी अरब की पांचवीं सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी माना जाता है।

2. ईरान की फायरिंग के बाद 4 जहाजों ने बदला रास्ता: ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने पिछले 24 घंटे में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे चार जहाजों पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की। इसके बाद चारों जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया।

3. ईरान में पेट्रोल महंगा करने पर विचार: ईरान सरकार पेट्रोल की खपत को कंट्रोल करने के लिए पेट्रोल को महंगा कर सकती है। सरकार के मुताबिक, अभी इस पर विचार कर रही है कि बदलाव कैसे लागू किए जाएं।

4. अमेरिका ने ईरान पर हमला रोका: अमेरिका ने शुक्रवार रात ईरान पर हमला नहीं किया। इससे पहले वह लगातार 13 दिनों तक हर रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहा था।

5. बहरीन में अमेरिकी ठिकाने पर ईरानी हमला: ईरान ने बहरीन में अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट के नौसैनिक ठिकाने पर हमला किया। यहां ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया, जिसके बाद कई बड़े विस्फोट हुए।

उत्तराखंड समाज को मिली जमीन निरस्त करने पर रोक

राज्य सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट का स्टे; गहलोत सरकार के आवंटन को मिली राहत

जयपुर।

उत्तराखंड समाज को रियायती दर पर आवंटित जमीन को निरस्त करने के राज्य सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। यह भूमि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में आवंटित की गई थी, जिसे भजनलाल सरकार ने बाद में निरस्त करने का आदेश जारी किया था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने निरस्तीकरण आदेश पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस शुभा मेहता की अदालत ने यह आदेश उत्तराखंड समाज समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। कोर्ट ने राज्य सरकार और हाउसिंग बोर्ड से चार सप्ताह में जवाब भी मांगा हैं। समिति की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता लवेश मामनानी ने कहा कि आवंटन निरस्त करने से पहले समिति को ना तो सुनवाई का मौका दिया गया, वहीं आवंटन निरस्त करने का कोई कारण भी नहीं बताया गया। ऐसे में इस आदेश पर रोक लगाई जाए। इस पर कोर्ट ने आवंटन निरस्त करने के आदेश पर रोक लगाते हुए उत्तराखंड समाज को आवंटित भूमि किसी तीसरे पक्षकार के हित में सृजित नहीं करने के लिए कहा हैं।

युवाओं ने देश का मान बढ़ाया : पीएम

यंग इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था; मन की बात में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली।

पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती।

पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया।

पीएम के मन की बात की 10 बड़ी बातें

कारगिल विजय दिवस: पीएम ने कहा- यह ऐसी तारीख है, जिसे दिन याद रखे बिना भी याद रखा जाता है। कारगिल में जवानों ने हर चुनौती के बावजूद हार नहीं मानी। दिल्ली से द्रास तक शौर्य विजय यात्रा निकाली जा रही है।

आईएनएस महेंद्रगिरी और पिनाका: पीएम ने कहा- भारत रक्षा तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरी नौसेना में शामिल हुआ और पिनाका मिसाइल का भी सफल लॉन्च हुआ।

कैच द रेन और जल संरक्षण: पीएम ने कहा कि जहां पानी गिरे, उसे वहीं रोकना चाहिए। मध्य प्रदेश में 4 हजार तालाब बने और कई रायों ने इस अभियान में हिस्सा लिया। आज बचाई गई पानी की हर बूंद भविष्य की पूंजी है।

कॉमनवेल्थ गेम्स और खिलाड़ियों की उपलब्धियां: मोदी ने कहा- ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की अपील की। पीवी सिंधु के जापान ओपन जीतने और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टेस्ट जीत का जिक्र किया।

विक्रम-1 और युवा इनोवेटर्स : पीएम ने कहा- विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण भारत के स्पेस सेक्टर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह निजी क्षेत्र का पहला रॉकेट है और युवाओं ने वह कर दिखाया, जो कभी असंभव लगता था।

साइंस ओलंपियाड: पीएम ने कहा- भारतीय छात्रों ने फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ्स ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान: पीएम ने अहमदाबाद में एक घंटे में 3 .5 लाख और यूपी में एक दिन में 35 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए जाने का जिक्र किया। लोगों से प्रकृति संरक्षण में भागीदारी की अपील की।

प्लास्टिक मुक्त भारत: पीएम ने बिहार के सीतामढ़ी में प्लास्टिक कचरे से बेंच बनाने की पहल का उदाहरण दिया। गणेशोत्सव पर पीओपी और प्लास्टिक की बजाय मिट्टी की गणेश प्रतिमा अपनाने की अपील दोहराई।

लोकल प्रोडक्ट्स, हैंडलूम और खादी: पीएम ने कश्मीर की वागु चटाई, बिजनौर की हर्बल चाय, नेशनल हैंडलूम डे और खादी की बढ़ती बिक्री का जिक्र करते हुए लोकल उत्पाद खरीदने की अपील की।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और हर घर तिरंगा: पीएम मोदी ने कलाम को याद किया, गुरु पूर्णिमा और स्वतंत्रता दिवस का जिक्र करते हुए हर घर तिरंगा अभियान में शामिल होने का आह्वान किया।

राजस्थान रोडवेज को मिलीं 144 नई ब्लू लाइन बसें

सीएम भजनलाल शर्मा ने दिखाई हरी झंडी, जानिए क्या-क्या सुविधाएं मिलेंगी

जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अजमेर रोड स्थित हीरापुरा बस टर्मिनल से राजस्थान रोडवेज की 144 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। ऐसे में लोगों के आवागमन के लिए मजबूत और बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था जरूरी है। सरकार इसी दिशा में लगातार काम कर रही है और तीसरी बार रोडवेज के बेड़े में नई बसें शामिल की गई हैं। इस दौरान महिलाओं को 2500 हेलमेट भी बांटे गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये 144 बसें प्रदेश की जनता को समर्पित की गई हैं और लोगों को इनका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि राजस्थान का कोई भी इलाका ऐसा न रहे, जहां रोडवेज बसों की सुविधा उपलब्ध न हो।

'पहली बार रोडवेज मुनाफे में आई'

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक राजस्थान रोडवेज घाटे में चलती रही, लेकिन अब पहली बार निगम मुनाफे में आया है। इसका सीधा फायदा कर्मचारियों और यात्रियों दोनों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अब रोडवेज के चालक, परिचालक और अन्य कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल रहा है, जबकि पिछली सरकार के समय छह से आठ महीने तक वेतन नहीं मिल पाता था। मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने रोडवेज को घाटे से निकालकर मुनाफे तक पहुंचाने का काम किया है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

22 डिपो में चलेंगी नई बसें

रोडवेज की 144 नई ब्लू लाइन 3म2 एक्सप्रेस बसें प्रदेश के 22 डिपो को आवंटित की गई हैं। ये सभी बसें बीएस-6 मानक की हैं। इनमें मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, एलईडी गंतव्य डिस्प्ले, इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल यूनिट, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम और महिला सुरक्षा के लिए पैनिक बटन जैसी सुविधाएं दी गई हैं। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा अभियान के तहत महिलाओं को 2500 हेलमेट भी वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील की।

पाली में बारिश, बाड़मेर में कलेक्ट्रेट के आगे पानी भरा

जयपुर।

बाड़मेर, जैसलमेर और पाली जिले में रविवार को बारिश हुई। बाड़मेर शहर में शाम 6 बजे तेज बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा और कलेक्ट्रेट के सामने पानी भर गया। जिले में सेड़वा-दीपला रोड बह गई।

पाली जिले के सोमेसेर और आसपास के इलाके में पिछले 4 दिन से बारिश का दौर जारी है। रविवार को दोपहर में 30 मिनट तक बारिश हुई। जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ नहरी इलाके में भी बारिश हुई। जिले के गंगा क्षेत्र में बारिश के बाद सम-खुहड़ी रोड टूट गई। इससे करीब 10 गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया।

अजमेर में बीते दिनों हुई बारिश के बाद गोविंदगढ़ बांध ओवरफ्लो हो गया है। बांध पर 2 से 3 इंच की चादर चल रही है।

मौसम विभाग ने सोमवार को अलवर, दौसा, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़ जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

मानसून की बड़ी अपडेट्स

धूप निकलने से पारा 4 डिग्री तक चढ़ा: बारिश का दौर कमजोर होने और धूप निकलने के कारण पारा 4 डिग्री तक बढ़ गया है। इससे कई शहरों में गर्मी के साथ उमस बढ़ गई। श्रीगंगानगर में रविवार को सबसे अधिक पारा रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री दर्ज हुआ।

इसके अलावा बीकानेर में 38 डिग्री, फलोदी में 37.4 डिग्री, जैसलमेर में 36.7 डिग्री, पिलानी में 36.2 डिग्री, चूरू में 36.4 डिग्री, दौसा में 36.6 डिग्री, हनुमानगढ़ में 35.4 डिग्री, करौली में 35.1 डिग्री, बाड़मेर में 35.1 डिग्री, अलवर में 35.5 डिग्री, टोंक में 33.6 डिग्री और जोधपुर में 32.5 डिग्री दर्ज हुआ।

अजमेर के जवाजा में 43एमएम बरसात: पिछले 24 घंटे में राज्य के पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष अधिकांश स्थानों पर मौसम साफ रहा। जालोर, बाड़मेर, सिरोही, अजमेर के अलावा भरतपुर में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हुई।

अजमेर के पास जवाजा में 43एमएम, सिरोही के माउंट आबू में 37.2एमएम, राजसमंद जिले के कुंवारिया में 28एमएम, बाड़मेर के चौहटन में 28.5एमएम, धनाऊ में 23एमएम, डीग के सीकरी में 25एमएम और जालोर के रानीवाड़ा, सांचौर में 12-12एमएम बरसात दर्ज की गई। इनके अलावा जोधपुर, जैसलमेर, झालावाड़ समेत कुछ जिलों में हल्की बारिश, बूंदाबांदी हुई।

बंगाल की खाड़ी में बना नया सिस्टम: बंगाल की खाड़ी में बने डिप्रेशन सिस्टम से राजस्थान में एक बार फिर मानसून एक्टिव होगा। इस सिस्टम का असर सोमवार से राजस्थान के पूर्वी जिलों में देखने को मिलेगा। भरतपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग के जिलों में बारिश हो सकती है। कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में 29 और 30 जुलाई को भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक इस सिस्टम का असर राजस्थान में 1-2 अगस्त तक रह सकता है।

पेपर लीक के खिलाफ आज नया बिल आएगा

जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे; 10 साल जेल और 10 करोड़ तक जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट

बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

राजनाथ बोले-भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा, पाकिस्तान घुसपैठ के

अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार; रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

कारगिल विजय राष्ट्र की अस्मिता, अखंडता और सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान का अमर प्रतीक-राज्यपाल

ऑपरेशन विजय कारगिल-2026 में टाइगर हिल युद्ध का सांकेतिक पुनर्प्रस्तुतीकरण बना आकर्षण का केंद्र, 16 वीर सैनिक सम्मानित

जयपुर/जोधपुर।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य विजय का स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए भारतीय सैनिकों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान, अदम्य साहस और अटूट राष्ट्रनिष्ठा को कृतज्ञतापूर्वक नमन करने का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में भारतीय सेना द्वारा संचालित ऑपरेशन विजय विश्व के सबसे कठिन सैन्य अभियानों में से एक था, जिसमें कारगिल, द्रास एवं बटालिक की दुर्गम एवं बर्फाच्छादित चोटियों पर पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों के कब्जे से सामरिक महत्व के क्षेत्रों को भारतीय सैनिकों ने उत्कृष्ट सैन्य रणनीति, अनुशासन, अदम्य मनोबल और अप्रतिम पराक्रम के बल पर पुनः राष्ट्र के अधिकार में स्थापित किया। यह विजय केवल रणभूमि की सफलता नहीं, बल्कि भारतीय सेना की रणनीतिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति का विश्व पटल पर गौरवपूर्ण उद्घोष भी थी। राज्यपाल श्री बागडे रविवार को कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में क्रीड़ा भारती, जोधपुर प्रांत द्वारा मेहरानगढ़ फोर्ट की तलहटी स्थित रावटी-घोड़ा घाटी में आयोजित ऑपरेशन विजय कारगिल-2026 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ने कहा कि भारतीय सेना साहस, अनुशासन, सेवा और बलिदान की जीवंत प्रतीक है। हमारे वीर जवान तपते मरुस्थलों से लेकर हिमालय की दुर्गम बर्फीली चोटियों तथा समुद्री सीमाओं तक प्रत्येक परिस्थिति में राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पित भाव से कर्तव्य निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान सदियों से शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भूमि रहा है। बप्पा रावल, महाराणा सांगा, महाराणा प्रताप, मेजर शैतान सिंह तथा कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह जैसे अमर वीरों की गौरवशाली परम्परा आज भी राष्ट्रसेवा का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के अद्वितीय सैन्य कौशल, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र प्रथम की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन संगठन शक्ति, सुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का कालजयी आदर्श है, जिससे प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक नागरिक में राष्ट्र प्रथम की भावना को सुदृढ़ करने का अवसर है।

यह दिवस केवल वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने तक सीमित नहीं, बल्कि उनके आदर्शों, त्याग और राष्ट्रभक्ति को आत्मसात कर विकसित, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का भी प्रेरक अवसर है।

कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध में भारतीय सेना द्वारा संचालित टाइगर हिल अभियान सहित प्रमुख सामरिक चोटियों पर हुए संघर्ष का सांकेतिक एवं नियंत्रित पुनर्प्रस्तुतीकरण किया गया। रावटी-घोड़ा घाटी की प्राकृतिक पहाड़ियों को कारगिल की दुर्गम पर्वत श्रृंखलाओं के स्वरूप में रूपांतरित कर युद्ध की परिस्थितियों, सैन्य रणनीति, सैनिकों के साहस, शौर्य और विजय अभियान का प्रभावशाली मंचन किया गया। प्रस्तुतीकरण ने उपस्थित जनसमूह को कारगिल युद्ध के कठिन संघर्ष, भारतीय सेना की अद्वितीय वीरता तथा राष्ट्र रक्षा के प्रति उनके सर्वोच्च समर्पण का सजीव अनुभव कराया।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति सर्वोच्च समर्पण का अमर अध्याय है। समुद्र तल से लगभग 16 से 17 हजार फीट की ऊंचाई, शून्य से नीचे तापमान तथा अत्यंत विषम परिस्थितियों में भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के सामरिक लाभ को निष्प्रभावी बनाते हुए कारगिल की चोटियों पर पुनः तिरंगा फहराकर देश के सम्मान और गौरव को अक्षुण्ण रखा।

कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में असाधारण शौर्य एवं वीरता का परिचय देने वाले 16 वीर सैनिकों तथा वीरांगनाओं का राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे एवं केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा सम्मान किया गया।

चिकित्सा शिविर में 355 लोग हुए लाभान्वित

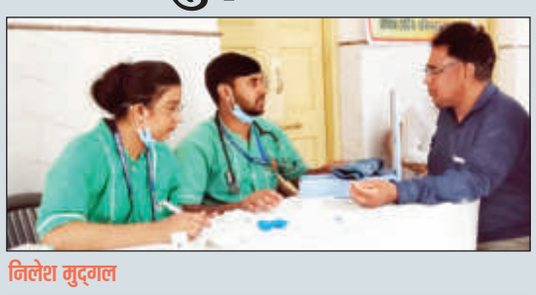

निलेश मुदगल

झुंझुनू (नवयत्न)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं महावीर इंटरनेशनल रानी अहिल्या वीरा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में श्री श्याम फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विशम्बर दयाल अग्रवाल के सौजन्य से चावो दादी मंदिर परिसर में नेत्र चिकित्सा एवं बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। संयोजक श्याम सुंदर जालान ने बताया कि शिविर में टीबड़ा आई हॉस्पिटल टीम द्वारा 231 रोगियों की आंखों की जांच कर नि:शुल्क दवाइयां एवं 125 रोगियों को चश्में वितरण किए गए। 22 मोतियाबिंद रोगियों का चयन किया, जिनके ऑपरेशन सोमवार को कराए जाएंगे। अपेक्स स्काईलाइन हॉस्पिटल टीम द्वारा मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप दमा श्वास के 124 रोगियों की जांच कर नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में डॉ एस एन शुक्ला, श्यामसुंदर जालान, महेश कुमार मुंड, डॉ अनिल अग्रवाल, रमाकांत हलवाई, रूपेश खेतान, सूमेरसिंह कर्णावत, हरिकिशन खेतान, आरती मूंड, सुधा पूनिया, राजदीप महर्षि, पंकज जालान, राजेश अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, जय प्रकाश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, नितिन जालान, बजरंग लाल अग्रवाल, प्रदीप कुमार शुक्ला, शिव प्रसाद महर्षि, सीताराम सैनी, कैलाश चंद्र शर्मा, देवेंद्र कुमार गौड़, राजेंद्र प्रसाद जोशी, पवन कुमार खेतान, चंद्र प्रकाश जालान, सुनिल कुमार, अशोक कुमार शर्मा, बिहारी लाल सैनी, रमेश चंद्र अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, भरत कुमार तुलस्यान सहित काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

एकादशी पर बच्चों ने दिया संस्कारों का संदेश

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। देवशयनी ग्यारस पर स्थानीय श्रीरामगोपाल गाडोदिया प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने नो बैग डे के तहत धार्मिक एवं संस्कारमय गतिविधियों में भाग लेते हुए गौसेवा और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत आयोजित इस गतिविधि में बच्चों ने कक्षा से बाहर निकलकर अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और पर्यावरण के महत्व को समझा। विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों को नाथों तालाब स्थित मोदी गार्डन का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने विभिन्न पेड़-पौधों की जानकारी प्राप्त की तथा पर्यावरण संरक्षण का महत्व जाना। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को गोपाल गौशाला भी ले जाया गया, जहां देवशयनी ग्यारस के अवसर पर बच्चों ने अपने हाथों से गौमाता को गुड़ और चारा खिलाकर गौसेवा की तथा भारतीय संस्कृति में गौमाता के महत्व को समझा। इस धार्मिक एवं संस्कारमय आयोजन ने विद्यार्थियों में सेवा, करुणा और संस्कृति के प्रति आस्था का भाव विकसित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विशाल जैन ने बताया कि प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाला नो बैग डे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित किया जाता है, जिससे वे पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात कर सकें। इस अवसर पर जिला सह सचिव मनीष कुमार बेदी ने भी विद्यालय की गतिविधियों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मानसून म्यूजिक वर्क शॉप में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया

बिसाऊ (नवयत्न)। इंटेक्स शेखावाटी चैप्टर में मोर हवेली रामगढ़ के तत्वावधान में चार दिवसीय मानसून म्यूजिक वर्क शॉप का रामगढ़ शेखावाटी में आयोजन किया गया, जिसमें बिसाऊ की स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भोपा भोपी और राजस्थानी म्यूजिक पर छात्रों ने जमकर नृत्य कर आयोजन को चार चांद लगाए। कार्यक्रम के समापन पर सभी छात्रों को प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में श्रुति पोद्दार, मधुसूदन मालानी, खेमचंद सोनी, महनसर के पर्यटन विशेषज्ञ राजेश शर्मा ने भाग लिया। इस अवसर पर पर्यटन विशेषज्ञ राजेश शर्मा ने बताया कि छात्रों का इस प्रकार के प्रोग्राम में हिस्सा लेना अपनी विरासत में संस्कृति को बचाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

राज शाला संबलन ऐप के माध्यम से प्रस्तावित डिजिटल निरीक्षण के विरोध में बैठक आयोजित

निसं

नवलगढ़ (नवयत्न)। बीकानेर निदेशालय के निदेशक द्वारा जारी आदेश जिसमें निजी विद्यालयों के डिजिटल निरीक्षण संबंधी अव्यवहारिक आदेश के विरोध में निजी शिक्षण संस्थान संघ नवलगढ़ की एक महत्वपूर्ण बैठक कोठी रोड स्थित नीलकंठ रिसोर्ट, नवलगढ़ में आयोजित की गई। सचिव अनिल शर्मा ने आदेश के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।

उपस्थित विद्यालय संचालकों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि राज शाला संबलन ऐप के माध्यम से निजी विद्यालयों के मासिक डिजिटल निरीक्षण का विरोध किया जाएगा। संघ का कहना है कि इस प्रकार की व्यवस्था निजी विद्यालयों पर अनावश्यक प्रशासनिक दबाव बढ़ाएगी तथा शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करेगी। संघ अध्यक्ष टंवर सिंह गोठड़ा के अनुसार बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 28 जुलाई 2026 को जिला मुख्यालय पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में नवलगढ़ क्षेत्र के सभी निजी विद्यालय सामूहिक रूप से भाग लेंगे एवं विद्यालयों का सामूहिक अवकाश की घोषणा की है। संगठन मंत्री राकेश जोशी ने बताया कि इसके लिए 28 जुलाई को प्रात: 7:30 बजे सभी विद्यालय संचालक, प्राचार्य, शिक्षक एवं शिक्षाकर्मी नवलड़ी चौराहे, नवलगढ़ पर एकत्रित होंगे, जहां से सभी वाहन एवं बसों के साथ जिला मुख्यालय झुंझुनू के लिए रवाना होंगे।

संघ ने क्षेत्र के सभी निजी विद्यालयों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। टंवर सिंह गोठड़ा, अनिल शर्मा, रमाकांत दाधीच, हजारीलाल यादव, सुभाष बुगालिया, राजकुमार सैनी, अयूब अली, इम्तियाज अली, धर्मपाल सिंह, देवेंद्र सैनी, रविप्रकाश महिच, विद्याधर, नरेंद्र सिंह, घनश्याम टेलर, सुनील कुमार शर्मा, विक्रम सिंह, चंद्रप्रकाश पाराशर, सुरेश कुमार, मनीष चेजारा, कैलाश सैनी, महेंद्र सिंह, फतेहचंद सैनी, ओमप्रकाश सैनी, दीपक कुलश्रेष्ठ, राहुल गुप्ता, ताराचंद, श्रीराम जांगिड़, राकेश जोशी, ताहिर खत्री सहित अनेक संस्था संचालक उपस्थित थे।

गौ सेवा केवल धर्म नहीं, संस्कृति की रक्षा का भी माध्यम : बजरंगदास महाराज

निसं

नोखा (नवयत्न)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री बालाजी सेवा धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य व दिव्य आयोजन किया जा रहा हे। श्री बालाजी सेवा धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आध्यात्मिक वातावरण दिन-प्रतिदिन भक्तिमय होता जा रहा है। कथा के पंचम दिवस पर अनंतश्री विभूषित महामण्डलेश्वर श्रीबालाजी सेवा धाम पीठाधीश्वर आचार्यश्री बजरंगदास महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक श्रवण कराया। महाराजश्री ने कथा के दौरान राजा परीक्षित के जन्म, उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं, श्राप प्राप्त होने तथा परम ज्ञानी शुकदेव महाराज के आगमन का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य को अपने जीवन की नश्वरता का बोध होता है, तभी वह ईश्वर की शरण में जाकर भक्ति और मोक्ष का मार्ग अपनाता है। राजा परीक्षित और शुकदेव का संवाद मानव जीवन को धर्म, भक्ति और वैराग्य की ओर प्रेरित करने वाला अमूल्य संदेश है। प्रवचन के दौरान महाराजश्री ने गौ माता की महिमा का विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में गौ माता को केवल एक पशु नहीं बल्कि संपूर्ण सृष्टि के पालन-पोषण का आधार और देवतुल्य स्वरूप माना गया है। शास्त्रों में गौ माता को सर्वदेवमयी बताया गया है तथा उनके शरीर में 33 करोड़ देवी-देवताओं का निवास माना गया है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा, गौ संरक्षण और गौ संवर्धन से मनुष्य के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

जिस घर और समाज में गौ माता का सम्मान होता है, वहां सदैव सकारात्मक ऊर्जा, खुशहाली और ईश्वर की कृपा बनी रहती है। वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह गौ रक्षा और गौ सेवा के कार्यों में अपनी भागीदारी निभाए क्योंकि गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और मानवता की रक्षा का भी माध्यम है। महाराजश्री ने योग के महत्व पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाली दिव्य साधना है। नियमित योग करने से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहता है तथा जीवन में सकारात्मकता और आत्मविश्वास का संचार होता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। आयोजन समिति के पुखराज सांखी ने कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान श्रीकृष्ण के भजनों पर झूम उठे। पूरा कथा पांडाल राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण बालाजी सेवा धाम की जय के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर धर्म, भक्ति, गौ सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अनेक संत-महात्माओं का सान्निध्य प्राप्त हुआ। नोखा, बीकानेर, नागौर सहित मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, धर्मप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक कथा में उपस्थित रहे। कथा के अंत में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण, गौ संरक्षण, राष्ट्र की उन्नति और मानव समाज के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

भाकपा माले ने लोकतंत्र की जीत पर मनाया जश्न

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी की जिला कमेटी की बैठक पार्टी के जिला सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि की अध्यक्षता में नवनिर्मित किसान मजदूर भवन झुंझुनू पर संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत में पार्टी जिला सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि ने जंतर-मंतर नई दिल्ली पर पेपर के जिम्मेदार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र-युवाओं के आंदोलन की जीत पर लोकतंत्र की जीत बताते हुए जिला कमेटी सदस्यों को लड्डू बांटकर खुशी मनाई। बैठक को सम्बोधित करते हुए पार्टी के केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड फूलचंद ढेवा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार हर बार की तरह अपने जायज मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले हर तबके के आंदोलनकारियों को संघियों व गोदी मीडिया से देशद्रोही प्रचारित कर बदनाम करने की साजिश को देश के छात्र युवाओं ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेकर ध्वस्त कर दिया है। इस आंदोलन ने फासीवादी डर को खत्म कर लोकतंत्र को मजबूत किया है। बैठक में निर्णय लिया कि ग्राम ग्राम में पार्टी को मजबूत कर किसानों-मजदूरों के संघर्षों को तेज किया जाएगा। पार्टी की जिला कमेटी 9 अगस्त के अखिल भारतीय किसान महासभा की मजदूर किसान संकल्प सभा में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का निर्णय किया। बैठक को पार्टी के जिला सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, कामरेड ओमप्रकाश झारोड़ा, कामरेड इंद्राज सिंह चारावास, कामरेड रत्तीराम राव, कामरेड मनफूल सिंह, कामरेड प्रेमसिंह नेहरा, कामरेड विद्याधर गर्सा, कामरेड हरीओम, कामरेड शीशराम गोठवाल, कामरेड हरी सिंह वेदी, कामरेड रामनारायण ढेवा, कामरेड देवेन्द्र सिंह कुल्हार व कामरेड रसीद अहमद ने संबोधित किया।

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सुनाया मार्मिक वर्णन

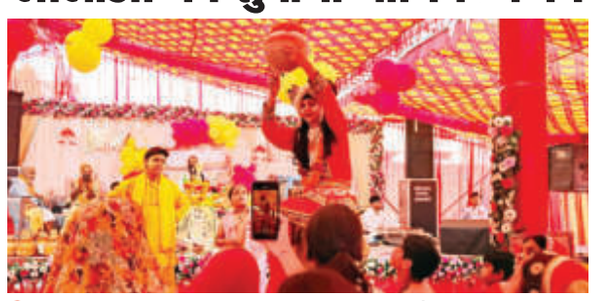

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के सामने स्थित सियाराम बाबा की बगीची में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन व्यासपीठ से कथावाचक सुदर्शन महाराज ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं व माखन चोरी के प्रसंग सुनाए। कथा का वाचन करते हुए सुदर्शन महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं में माखन चोरी की लीला काफी प्रसिद्ध है क्योंकि वे गोपियों के घर में जाकर माखन चुरा कर खाते थे लेकिन जब उन्होंने अपने ही घर में माखन चुराया तो माता यशोदा ने देख लिया, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो। जिसका कथा वाचक ने बहुत ही मार्मिक व भावपूर्ण तरीके से वर्णन किया तो श्रोताओं की आंखे नम हो गई। महामंडलेश्वर श्यामसुंदर दास त्यागी महाराज ने बताया कि कथा का वाचन 28 जुलाई तक रोजाना दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक जारी रहेगा। इस दौरान यजमान मनोज न्यामावाला ने श्रीमद्भागवत की पूजा व आरती की। कथा में नरेंद्र भाटी, बजरंग लाल बोचीवाल, मंजू सोनी, आलोक स्वामी, बृजकिशोर सोनी, दामोदर शर्मा, महेंद्र टाक, दिनेश स्वामी, मनीष स्वामी, मुरारी खंडेलवाल, रामनिवास प्रजापत, राकेश रिणवा, बृजेश शर्मा ने कथा में व्यवस्था संभाली।

कारगिल विजय दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

बाबूलाल शर्मा

झुंझुनू (नवयत्न)। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर गौरव सेनानी समिति, झुंझुनूं द्वारा इंदिरा नगर स्थित सामुदायिक भवन में देशभक्ति, जोश एवं जुनून से ओत-प्रोत भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं अमर शहीदों को पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सभी पूर्व सैनिकों एवं नागरिकों ने वीर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में 57 वीरांगनाओं एवं विभिन्न गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित वीर सैनिकों का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर योद्धाओं के साथ-साथ वर्ष 1965 एवं 1971 के भारत-पाक युद्धों में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों तथा बड़ी संख्या में गौरव सेनानियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोल्जर्स बोर्ड के अध्यक्ष कर्नल सुरेश कुमार जांगिड़ ने की जबकि आयोजन का सफल नेतृत्व गौरव सेनानी समिति के अध्यक्ष रतिराम कसवां ने किया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण, वीरता, त्याग और बलिदान का स्मरण करने का दिवस है। उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर पोखरमल वामिल, कैप्टन लियाकत, कैप्टन अयूब, कैप्टन अमर सिंह, इसहाक खान, महेंद्र सिंह जादरिया, अकरम खान, बलबीर सिंह भेड़ा, सरवर खान, हाफिज खान, कैप्टन दारा सिंह, कैप्टन जयवीर, दिनेश, भगवान सिंह, सुधीर पाल, अमीर हसन लादूसर, कैप्टन खेदार, कैप्टन ताराचंद सहित अनेक पूर्व सैनिक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अकरम खान कमांडो, सरवर खान, हाफिज खान एवं अन्य साथियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं ओजपूर्ण मंच संचालन कैप्टन सुल्तान खान जाबासर ने किया, जिन्होंने अपने जोशीले संचालन से पूरे समारोह में देशभक्ति का अद्भुत वातावरण बना दिया। उपस्थित लोगों ने भारत माता के जयघोष एवं वीर शहीदों के सम्मान में गगनभेदी नारों के साथ कार्यक्रम का समापन किया। समारोह का मुख्य संदेश यही रहा कि शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा और प्रत्येक नागरिक राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए भारत की एकता, अखंडता और गौरव की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।

आशा सहयोगिनियों के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। चिकित्सा विभाग की ओर से जिले में आशा सहयोगिनियों के स्वैच्छिक मानदेय सेवा के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। आवेदन 27 जुलाई को शाम पांच बजे तक हार्ड कॉपी में संबंधित खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जमा करवाए जा सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि अजीतगढ़ ब्लॉक के चीपलाटा, पोस्ट ऑफिस के पास अजीतगढ़, कुसमपुरा मोहल्ला अजीतगढ़, हरदास का बास, दांता ब्लॉक के दांता, उमाड़ा, कल्याणपुरा, डांसरोली, पूनियाणा, करड़, मुण्डियावास, राजनपुरा, दलपतपुरा गांव के आंगनबाड़ी में आशा सहयोगिनियों के रिक्त पदो के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। इसके अलावा फतेहपुर ब्लॉक के बेसवा, ताजसर, भिंचरी, नारी, नगरदास, जेठवा का बास, नेछवा ब्लॉक के गनेड़ी, तिड़ोकी बड़ी, सोला, सूतोद, लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक के रिणू, नीमकाथाना के भराला, बृसिंहवास, बावरिया बस्ती, हरजनपुरा, राजनगर, कैरोड़ा, पलसाना ब्लॉक के खाटूश्यामजी, गढ़वालों की ढाणी, पाटन ब्लॉक के इमलोहा, कोला की नांगल, श्रीमाधोपुर ब्लॉक के श्रीमाधोपुर, मिण्डाला, कूदन ब्लॉक के लोसल, खण्डेला ब्लॉक के जाजोद, बालिका विद्यालय कांवट, रींगस के वार्ड नंबर दो की आंगनबाड़ी केन्द्रों पर रिक्त आशा सहयोगिनियों के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सीकर शहर के विभिन्न वार्डों के आंगनबाड़ी में आशा सहयोगिनियों के स्वैच्छिक मानदेय सेवा के 23 रिक्त पदो के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि सीकर शहर की आंगनबाड़ी पर रिक्त पदों के लिए आवेदन पत्र झुंझुनू बाइपास स्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीकर कार्यालय में जमा होंगे। रिक्त पदों एवं पात्रता संबंधि विस्तृत जानकारी संबंधित खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं सीकर शहर के रिक्त पदों की सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह में झुंझुनू के 5 विद्यार्थी सम्मानित

निसं

बुगाला (नवयत्न)। राजस्थान प्रदेश मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा प्रदेश स्तरीय प्रतिभावान विद्यार्थियों का तृतीय सम्मान समारोह सीकर में किया गया। शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी प्रवीण मैढ़ ने बताया कि समारोह में 290 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान ग्रामीण बैंक के मुकेश भारतीय रहे। विशिष्ट अतिथि भवानीशंकर मौसुण, शिवप्रसाद तोसावड, बजरंग लाल झींगा, रामकिशोर बैराडिया, राजकुमार कुलथिया रहे। समारोह में बुगाला के दिवांशु, उत्तम सोनी सहित झुंझुनू के 5 विद्यार्थियों का प्रतीक चिह्न, प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मुकेश भारतीय ने कहा कि समाज को ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ाते रहना चाहिए ताकि युवा उच्च शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं में सफलता प्राप्त कर देश का नाम रोशन कर सके। राष्ट्रीय महामंत्री दुलीचंद ने कहा कि समाज की वास्तविक पहचान शिक्षित एवं संस्कारित युवा पीढ़ी से होती है। प्रदेशाध्यक्ष शिवप्रसाद सोनी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की प्रेरणा देना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। प्रदेश महामंत्री बजरंग लाल झींगा ने कहा कि शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। संस्था ने गत वर्ष से इस वर्ष विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा होने पर अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। संचालन कालूराम रोडा व शांतिस्वरूप सोनी ने किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190